राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,05 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-254 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वायु प्रदूषण प्रबंधन पर काबू करने के लिए दिल्ली को एनसीएपी के तहत मिलेगा 'ग्रीन फंड'

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को वायु प्रदूषण प्रबंधन में कुछ विशेष कमियों को दूर करने के लिए इस साल राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत 18 करोड़ रुपये की मदद मिलेगी। हालांकि, दिल्ली को एनसीपी के तहत ये रकम पहली बार मिल रही है।

2019 में शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब इस कार्यक्रम के तहत दिल्ली को धन प्राप्त होगा। एनसीएपी, 2024 तक पीएम 2.5 और पीएम 10 की सांद्रता में 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत की कमी लाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय स्तर की रणनीति है। इसके लिए आधार वर्ष 2017 रखा गया है।

2019 के बाद से प्रदूषण प्रबंधन में महत्वपूर्ण कमियों को दूर करने के 18.74 करोड़ रुपये

एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली को एनसीएपी के तहत 18.74 करोड़ रुपये मिलेंगे। एनसीएपी उन 132 शहरों को कवर करता है, जो निर्धारित राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) को पूरा नहीं करते हैं। इन शहरों की पहचान राष्ट्रीय वायु निगरानी कार्यक्रम के तहत 2011-2015 की अवधि के दौरान प्राप्त परिवेशी वायु गुणवत्ता के आंकड़ों के आधार पर की गई है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी को दो साल के लिए एनसीएपी के तहत कोई धन नहीं मिला क्योंकि उसके पास अन्य संसाधन के रूप में 2 हजार सीसी से ऊपर के डीजल वाहनों पर लगाया जाने वाला ग्रीन सेस, जिसे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के पास जमा किया जाता है और दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाणिज्यिक वाहन पर लगने वाला प्रदूषण कर उपलब्ध थे।

लखीमपुर खीरी कांड

यूपी पुलिस पर गरजीं प्रियंका गांधी, कहा- छू कर देखो मुझे... अपने अफसरों-मंत्रियों से जाकर वारंट लाओ

नई दिल्ली। किसानों की हत्या के बाद लखीमपुर खीरी जा रहीं प्रियंका गांधी को हिरासत में लेने के लिए यूपी पुलिस का दम फूल गया। चप्पे-चप्पे पर नाकाबंदी, हर रास्ते पर बड़े-बड़े अधिकारियों की तैनाती के बाद भी प्रियंका गांधी प्रशासन को चकमा देते हुए आगे बढ़ती रहीं। जैसे ही प्रशासन को पता चलता कि प्रियंका ने रास्ता बदल दिया है, अधिकारियों के हांथ-पांव फूल जाते। उन्हें हिरासत में लेने के लिए यूपी पुलिस को रातभर मशक्कत करनी पड़ी। इस बीच उनके साथ काफी धक्का-मुक्की भी की गई। प्रियंका का आरोप है कि उन्हें घसीटा व धकेला भी गया। इस बीच उनकी पुलिस के अधिकारियों के साथ तीखी बहस भी हुई, जिसमें प्रियंका गांधी यूपी पुलिस के अधिकारियों को कानून का पाठ सिखाते हुए दिख रही हैं। प्रियंका के सवालों और गुस्से के आगे यूपी पुलिस के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

ये लीगल स्टेटस है तुम्हारा

एक वीडियो में प्रियंका यूपी पुलिस के कुछ अधिकारियों के साथ बहस करते हुए दिखाई दे रही हैं। वह कहती हैं- %इसमें बिठाल कर मुझे तुम मेरा अपहरण करोगे, ये है लीगल स्टेटस तुम्हारा। मत समझो कि मैं कुछ नहीं समझती....अरेस्ट करो खुशी से जाउंगी मैं। ये जो जबरजस्ती घेर रहे हो, ढकेल रहे हो न... इसमें फिजिकल असॉल्ट, अटेम्प्ट टू किडनैप, किडनैप, अटेम्प्ट टू मोलेस्ट.....समझते हो न। छू कर देखो मुझे, जाकर अपने अफसरों से अपने मंत्रियों से जाकर वारंट लाओ। महिलाओं को आगे मत करो, महिलाओं से बात करना सीखो। तुम्हारे यहां कानून नहीं होगा.....इस देश में कानून है। तुम मुझे घसीट कर ढकेल कर यहां लाए हो। कोई हक नहीं है तुम्हे, कोई हक नहीं है।

अधिकारियों के हांथ-पांव फूल जाते। उन्हें हिरासत में लेने के लिए यूपी पुलिस को रातभर मशक्कत करनी पड़ी। इस बीच उनके साथ काफी धक्का-मुक्की भी की गई। प्रियंका का आरोप है कि उन्हें घसीटा व धकेला भी गया। इस बीच उनकी पुलिस के अधिकारियों के साथ तीखी बहस भी हुई, जिसमें प्रियंका गांधी यूपी पुलिस के अधिकारियों को कानून का पाठ सिखाते हुए दिख रही हैं।

मैं उन लोगों से ज्यादा इम्पोर्टेंट नहीं हूं

प्रियंका गांधी वाड्रा का एक और वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पुलिस की कुछ महिला अधिकारी दिखाई दे रही हैं। प्रियंका गांधी के साथ उनकी तीखी बहस हो रही है। वीडियो में प्रियंका कहती हुई दिख रही हैं- ये धाराएं सब पर लगेंगी, सबके नाम के साथ लगेंगी। मैं उन लोगों से इम्पोर्टेंट नहीं हूं, जिन लोगों को तुमने मारा है...समझे। किस सरकार को तुम डिफाइन कर रही हो। जिनको गाड़ी के नीचे कुचला है, मैं उनसे बड़ी नहीं हूं। मुझे वारंट दो। मुझे लीगल वारंट दो। यहां से मैं ऐसे नहीं हिलूंगी।

प्रियंका गांधी को रिहा करने को लेकर पुलिस से भिड़े कांग्रेस कार्यकता-कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी को हरगांव इलाके से पकड़े जाने के बाद पीएसी की सेकेंड वाहिनी में लाकर रखा गया है। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गेट के बाहर धरने पर बैठ कर प्रदर्शन किया। काफी देर तक धरने पर बैठे रहने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अब हंगामा शुरू कर दिया है। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने बाहर लगे गेट को तोड़ने का प्रयास किया, जिसपर पुलिस से तीखी नोंकझोंक हुई। इस को लेकर मामला तूल पकड़ गया। कांग्रेस के कार्यकर्ता प्रियंका गांधी को रिहा करने को लेकर पुलिस से भिड़ गए। धक्का-मुक्की की। कार्यकर्ता पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। फिलहाल मामले को शांत करने का प्रयास किया जा रहा है।

बुजुर्गों के लिए जारी सरकारी हेल्पलाइन नंबर पर आए 3.39 लाख से अधिक फोन

नई दिल्ली। बुजुर्गों के लिए सरकारी हेल्पलाइन सुविधा 'एल्डरलाइन' पर मई माह से 3.39 लाख से अधिक फोन आए हैं। इनमें से 79 हजार से अधिक फोन उत्तर प्रदेश से किए गए हैं। 'टाटा ट्रस्ट्स' के सहयोग से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय हेल्पलाइन सुविधा का लक्ष्य बुजुर्ग लोगों को सहायता मुहैया कराना है।

'एल्डरलाइन' के जरिये महिलाओं की तुलना में पुरुषों ने मांगी मदद

मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 54,432 कॉल उत्तराखंड, 42,610 तेलंगाना, 27,708 तमिलनाडु और 22,711 कर्नाटक से किए गए। 'एल्डरलाइन' के जरिये महिलाओं की तुलना में पुरुषों ने अधिक मदद मांगी है। आंकड़ों के अनुसार 23,390 पुरुषों और 8,178 महिलाओं ने इस हेल्पलाइन नंबर पर फोन किया।

आंकड़ों के अनुसार, जिन कारणों से बुजुर्गों ने हेल्पलाइन के जरिये संपर्क किया, उनमें कोविड सहायता (13,496), पेंशन (8,952), दुर्व्यवहार (1890), स्वास्थ्य संबंधी सहायता (1202), बचाव (423) और वृद्धाश्रमों से संबंधित प्रश्न (632) शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि हेल्पलाइन पर किए जाने वाले कॉल की

मदद से सरकार को बुजुर्गों के लिए नीति निर्माण की दिशा तय करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा एक मई से 3,39,879 कॉल मिले थे, जिनमें से 3,02,195 कॉल ऐसे थे, जो सेवा योग्य नहीं थी, जैसे कि इन कॉल के जरिये जिन लोगों ने मदद मांगी, वे बुजुर्ग नहीं थे। जो 37,684 वास्तविक कॉल आए, उनमें से 17,933 कॉल (47.59 प्रतिशत) कोविड-19 संबंधी सहायता, टीकाकरण की जानकारी से संबंधित थे।

बिहार, झारखंड, बंगाल के कई हिस्सों में 6 अक्टूबर तक बारिश की संभावना

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 6 अक्टूबर से उत्तर पश्चिम भारत से मानसून की वापसी की संभावना है। हालांकि, 6 अक्टूबर तक पूर्वी भारत और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में व्यापक बारिश होने की भी संभावना है। एक कम दबाव का क्षेत्र पूर्वी बिहार और आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है। इससे बनने वाले चक्रवाती परिसंचरण मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 48 घंटों के दौरान इसके उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने और कम चिह्नित होने की संभावना है।

उत्तर-दक्षिणी ट्रफ रेखा इस कम दबाव के क्षेत्र से उत्तर आंतरिक ओडिशा की ओर जा रही है। इसके प्रभाव के तहत, अगले 24 घंटों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पश्चिम असम, मेघालय क्षेत्र में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि चार अक्टूबर को बिहार में और झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे तमिलनाडु पर बना हुआ है। पूर्वी हवाओं में एक ट्रफ रेखा इस चक्रवाती परिसंचरण से कर्नाटक तट से पूर्व मध्य अरब सागर तक चल रही है, जो निचले क्षोभमंडल स्तर में केरल तट से दक्षिण पूर्व अरब सागर के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण में है। अगले 2-3 दिनों तक इसके बने रहने की संभावना है।

इसके प्रभाव से 6 अक्टूबर तक तमिलनाडु, केरल, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। 6 अक्टूबर तक दक्षिण कोंकण, गोवा और दक्षिण मध्य महाराष्ट्र में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

केरल तट से दूर दक्षिण पूर्व अरब सागर के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र भी बना हुआ है। पूर्वानुमान में कहा गया है कि इसके प्रभाव में अगले 48 घंटों के दौरान पूर्व मध्य और उससे सटे पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

पति पत्नी साथ नहीं रह सकते तो एक दूसरे को छोड़ देना ही बेहतर

नई दिल्ली। वर्ष 1995 में शादी के बाद महज पांच छह दिन तक साथ रहने वाले एक दंपती से सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि आप एक साथ नहीं रह सकते हैं तो एक दूसरे को छोड़ देना ही बेहतर है। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने हाईकोर्ट के तलाक के आदेश के खिलाफ अपील करने वाली पत्नी से कहा कि आपको व्यवहारिक होना चाहिए, पूरी जिंदगी अदालत में एक दूसरे से लड़ते हुए नहीं बिताई जा सकती। आपकी उम्र 50 साल और पति 55 साल के हैं। पीठ ने दंपती को स्थायी गुजारा भत्ता पर पारस्परिक रूप से निर्णय लेने के लिए कहा और दिसंबर में याचिका पर विचार करने का निर्णय लिया है। पत्नी की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि हाईकोर्ट द्वारा तलाक को मंजूरी देना गलत था। हाईकोर्ट ने

इस बात की भी अनदेखी की कि समझौते का सम्मान नहीं किया गया था। वहीं पति की ओर से पेश वकील ने कहा कि वर्ष 1995 में शादी के बाद से उसका जीवन बर्बाद हो गया है। दांपत्य संबंध सिर्फ पांच-छह दिन तक चला। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा क्रूरता और शादी के अपरिवर्तनीय टूट के आधार पर तलाक की अनुमति देना बिल्कुल सही था। वकील ने कहा कि पति पत्नी के साथ नहीं रहना चाहता और वह स्थायी गुजारा भत्ता देने को तैयार है। पति ने दावा किया कि 13 जुलाई, 1995 को शादी के बाद उच्च शिक्षित और संपन्न परिवार से आने वाली उनकी पत्नी ने उन पर अपनी बूढ़ी मां और बेरोजगार भाई को छोड़ अगरतला स्थित अपने घर में 'घर जमाई' बनकर रहने के लिए दबाव डाला। पत्नी के पिता आईएएस अधिकारी थे। पति ने मामले को शांत करने की हरसंभव कोशिश की लेकिन पत्नी ससुराल छोड़कर अपने मायके चली गई। तब से दोनों अलग रह रहे हैं।

44 करोड़ बच्चों को दिया जाना है टीका, बीमार को पहले, स्वस्थ की बारी बाद में

नई दिल्ली। देश में बच्चों के कोविड-19 टीकाकरण में ऐसे बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो किन्हीं अन्य बीमारियों से भी ग्रस्त हैं। राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह के अध्यक्ष डॉ. एनके अरोड़ा ने बताया कि यह बच्चे चाहे किसी भी गंभीर बीमारी से पीड़ित हों, उन्हें तुरंत कोरोना वायरस के प्रति प्रतिरोधक क्षमता दिलवाना जरूरी है। इन बच्चों के बाद बाकी स्वस्थ बच्चों का टीकाकरण होगा। डॉ. अरोड़ा ने बताया, इन हाई-रिस्क बच्चों की पहचान के लिए प्रयास हो रहे हैं। इस श्रेणी में ऐसे बच्चों को रखा गया है जिनके संक्रमित होने पर गंभीर रूप से बीमार पड़ने और अस्पताल में भर्ती होने की आशंका है। इसके लिए अगले दो हफ्ते में प्राथमिकता सूची बनाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भारतीय औषधि महानियंत्रक ने 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों व वयस्कों के लिए डीएनए

आधारित जायडस कैडिला टीके के आपात उपयोग की अनुमति दी थी। इसे लेकर सरकार व कंपनी में बातचीत हो रही है और इसे राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में उपलब्ध करवाने का इंतजार हो रहा है।

टीके के संयुक्त परीक्षण में डब्ल्यूएचओ व एम्स को इस टीके की वजह से 18 वर्ष से कम उम्र के समूह में सिरोप्रवैलेंस 55.7 और 18 वर्ष से अधिक उम्र के समूह में 63.5 प्रतिशत मिला था। यह बिना सुई के दिया जाने वाला यह टीका अहमदाबाद में जायडस कैडिला कंपनी बना रही है।

44 करोड़ बच्चों को दिया जाना है टीका-डॉ. अरोड़ा ने कहा कि बच्चे इस वायरस के रोगवाहक हो सकते हैं, वे खुद संक्रमित नहीं होते। इसलिए उनके इर्द-गिर्द रहने वाले वयस्कों का टीकाकरण बहुत जरूरी है। यह उन्हें एक सुरक्षा घेरा देता है। देश का लक्ष्य सभी वयस्कों का टीकाकरण है, जिसके बाद 18 साल से कम उम्र के करीब 44 करोड़ बच्चों का तेजी से टीकाकरण होगा।

साल के आखिर तक और आएंगे टीके-बच्चों के टीकों के विकल्प पर डॉ. अरोड़ा ने कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाया जा रहा कोवोवैक्स आने वाले हफ्तों में उपलब्ध हो सकता है। यह पांच से 17 साल के बच्चों के लिए है। कुछ और भी टीके आ सकते हैं, जिससे तीन विकल्प तक मिलेंगे।।

केंद्र व कंपनी में बातचीत अंतिम चरण में-इस बीच, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने रविवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से मिलने के बाद कहा कि बच्चों के टीके के लिए केंद्र की जायडस कैडिला कंपनी से बातचीत अंतिम चरण में है। भारत बायोटेक द्वारा तैयार की जा रही नाक से दी जाने वाली वैक्सीन के तीसरे चरण का परीक्षण नवंबर-दिसंबर में हो सकता है।

विश्व बैंक की सलाह-स्कूल खोलने के लिए टीकाकरण का इंतजार जरूरी नहीं, बच्चों का विकास होता है प्रभावित

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने सलाह दी है कि देशों को स्कूल खोलने के लिए पहले व्यापक टीकाकरण किए जाने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वैज्ञानिक प्रमाण इस तरफ स्पष्ट संकेत करते हैं कि बच्चों में कोविड-19 के संक्रमण की आशंका कम है। विश्व बैंक की शिक्षा टीम ने दुनियाभर के उन देशों के अनुभव के आधार पर एक नीतिगत नोट तैयार किया है, जहां स्कूल फिर से खोले जा चुके हैं। इसमें सुझाव दिया गया है कि एहतियात के साथ स्कूल खोलने से छात्रों, कर्मचारियों व समाज में संक्रमण फैलने का जोखिम बहुत कम है। क्योंकि, महामारी की चपेट में आने के एक साल बाद, वायरस और बीमारी दोनों के बारे में अब पर्याप्त जानकारी है, इसके अलावा संक्रमण के प्रभाव को कम करने के बारे में भी पर्याप्त जानकारी है। ऐसे में स्कूल बंद करना आखिरी उपायों में शामिल होना चाहिए। टीका विकसित होने से पहले फिर से स्कूल खोलने के वाले देशों के अनुभवों को देखते हुए कहा जा सकता है कि स्कूल खोलने के लिए व्यापक टीकाकरण की प्रतीक्षा करने की जरूरत नहीं, इसके अलावा छात्रों के स्कूल लौटने से उनका डर भी दूर होगा।

बच्चों का विकास होता है प्रभावित

नोट में कहा गया है कि स्कूलों को बंद रखना बीमारी का खतरा तो घटाता है, लेकिन

बच्चों की पढ़ाई, मनोसामाजिक स्वास्थ्य और समग्र विकास को खतरे में डालता है। स्कूल फिर से खोलने का फैसला इन्हें खोलने और बंद रखने के बीच के नफा-नुकसान की तुलना कर लिया जाना चाहिए। बहरहाल, अब तक के अनुभव से यही सामने आता है कि स्कूल बंद रखना ज्यादा नुकसानदेह है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, दुनियाभर में 80 फीसदी स्कूल चालू हैं। इनमें से 54 फीसदी में छात्र व्यक्तिगत रूप उपस्थित हो रहे हैं। 34 फीसदी मिश्रित तरीके से चल रहे हैं, जबकि 10 फीसदी सिर्फ दूरस्थ शिक्षण के लिए खुले हैं।

कोविड के कारण दुनिया में 1.6 अरब बच्चे हो गए थे स्कूलों से दूर

नोट के मुताबिक जहां सरकार व समाज डरते हैं कि स्कूलों को फिर से खोलने से संक्रमण फैल सकता है सिर्फ वहीं स्कूल बंद हैं। जबकि, स्कूलों को खोलने से जुड़े साक्ष्य इस धारणा के उलट हैं। इन देशों को स्कूल बंद रखने के नुकसानों का आकलन करना चाहिए, क्योंकि इस बात के सुबूत मौजूद हैं कि स्कूल बंद रखना, स्कूल खोलने से जुड़े जोखिमों से कहीं ज्यादा है। पिछले साल कोविड के कारण 188 से अधिक देशों में स्कूलों को बंद कर दिया गया, जिससे 1.6 अरब बच्चे स्कूलों से दूर हो गए। उस समय यह ठीक था, क्योंकि तब कोई महामारी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं रखता था, लेकिन अब ऐसा नहीं हैं कि स्कूल बंद रखे जाएं।

छोटे बच्चों में संक्रमण की संभावना बेहद कम

विश्व बैंक कहता है निगरानी व अध्ययन से पता चलता है कि वयस्कों और किशोरों की तुलना में, छोटे बच्चे, विशेष रूप से दस वर्ष से कम के बच्चे, संक्रमण के लिहाज से काफी कम संवेदनशील हैं। ऐसे में उनमें संक्रमण की संभावना बहुत कम है। इसके अलावा अगर बच्चे संक्रमण की चपेट में आ भी जाएं, तो उनमें मृत्यु का जोखिम बहुत कम है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वैक्सीन की लड़ाई

दुनिया में कोरोना वैक्सीन को लेकर देशों के बीच उभरे विवाद बेहद दुखद और आपत्तिजनक हैं। हम भारत और इंग्लैंड के बीच वैक्सीन को लेकर जो विवाद देख रहे हैं, उससे निस्संदेह बचा जा सकता था, मगर इंग्लैंड की हठधर्मिता ने भारत को 'जैसे को तैसा' शैली में जवाब देने को मजबूर कर दिया। अब भारत से इंग्लैंड जाने वालों को जहां दस दिन के क्वारंटीन से गुजरना होगा, वहीं इंग्लैंड से भारत आने वालों को भी ऐसी ही परेशानी होगी। इंग्लैंड का यह फैसला समझ से परे दिखता है, वह भारतीय वैक्सीन कोविशील्ड को मान्यता तो देता है, लेकिन कोविशील्ड वैक्सीन प्राप्त लोगों को टीकायुक्त नहीं मानता। आश्चर्य की बात है कि इंग्लैंड में लोगों को जो वैक्सीन दी जा रही है, उसी फॉर्मूले की वैक्सीन कोविशील्ड भारत में भी लग रही है। कायदे से इंग्लैंड को भारतीय वैक्सीन और टीका प्राप्त भारतीयों को सहर्ष स्वीकार करना चाहिए था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अब तक जिन सात वैक्सीन को मंजूरी दी है, उनमें इंग्लैंड में निर्मित ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के अलावा भारत में निर्मित इसी फॉर्मूले की कोविशील्ड भी शामिल है। तो फिर भेद क्यों है? विश्व स्वास्थ्य संगठन से मंजूर वैक्सीन में इंग्लैंड निर्मित ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका सबसे आगे है, क्योंकि इसे दुनिया के सर्वाधिक 122 देशों ने मान्यता दी है। भारत निर्मित कोविशील्ड को 46 देशों में मंजूरी है। एक बड़ा फर्क यह भी है कि इंग्लैंड निर्मित वैक्सीन का दुनिया के 21 देशों में 40 बार से ज्यादा ट्रायल हुआ है, जबकि भारत में बनी कोविशील्ड को केवल एक देश में दो बार ट्रायल से गुजारा गया है। यह इंग्लैंड का अहंकार ही है कि वह भारतीय वैक्सीन या भारतीय वैक्सीन प्राप्त लोगों को तवज्जो नहीं देता। यहां लगे हाथ यह भी जान लेना चाहिए कि दुनिया में दूसरे नंबर पर मान्यता प्राप्त वैक्सीन फाइजर है, जिसके लिए 100 से ज्यादा देशों ने अपने दरवाजे खोले हैं। मोदेरना के लिए 76 देश और जॉनसन के लिए 70 देश आगे आए हैं। चीन निर्मित वैक्सीन सीनोफार्म को 65 देशों की मंजूरी हासिल है और सीनोवेक को 40 देशों की। टॉप सात वैक्सीन की बात करें, तो सबसे कम ट्रायल कोविशील्ड का ही हुआ है। हमने शायद यह मान लिया था कि जब इसी फॉर्मूले की ब्रिटिश वैक्सीन का अधिकतम ट्रायल हो ही रहा है, तो हमें अलग से ट्रायल की क्या जरूरत? चूंकि हमने ट्रायल पर जोर नहीं दिया, इसलिए हमारी अपनी कोवैक्सीन को वाजिब मान्यता नहीं मिली। दुनिया के देश ट्रायल देखते हैं, जबकि हमारा ध्यान फॉर्मूला प्राप्त करने पर रहता है। नहीं भूलना चाहिए कि जहां मान्यता प्राप्त वैक्सीन वाले देशों को ज्यादा आर्थिक लाभ होगा, वहीं कोवैक्सीन का निर्माण ज्यादा मांग के अभाव में प्रभावित होगा। कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मांग तभी बढ़ेगी, जब हम ट्रायल या सफलता के आंकड़े सामने रखेंगे। देखना होगा कि भारत वैक्सीन निर्माण में पीछे नहीं रह जाए। भारत ही नहीं, दुनिया को अभी लंबा रास्ता तय करना है। अभी तक दुनिया में केवल 35 प्रतिशत लोगों का ही टीकाकरण पूरा हुआ है। तमाम देशों से यह उम्मीद करनी चाहिए कि सब मिल-जुलकर वैक्सीन की राह पर चलेंगे, ज्यादा से ज्यादा वैक्सिंग को मंजूरी मिलेगी और ज्यादा से ज्यादा लोगों का टीकाकरण होगा, तभी हम कोरोना से जंग जीत पाएंगे।

'आज के ट्वीट

संदेश

नशे में खोखला बॉलीवुड आने वाली युवा पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहता है?? नशे करने से कोई बड़ा नहीं बन जाता। ऐसे नशेड़ी लोगों का बॉयकॉट करने का समय आ गया है। इन नशेड़ी कलाकारों ने बॉलीवुड को बदनाम कर रखा है।

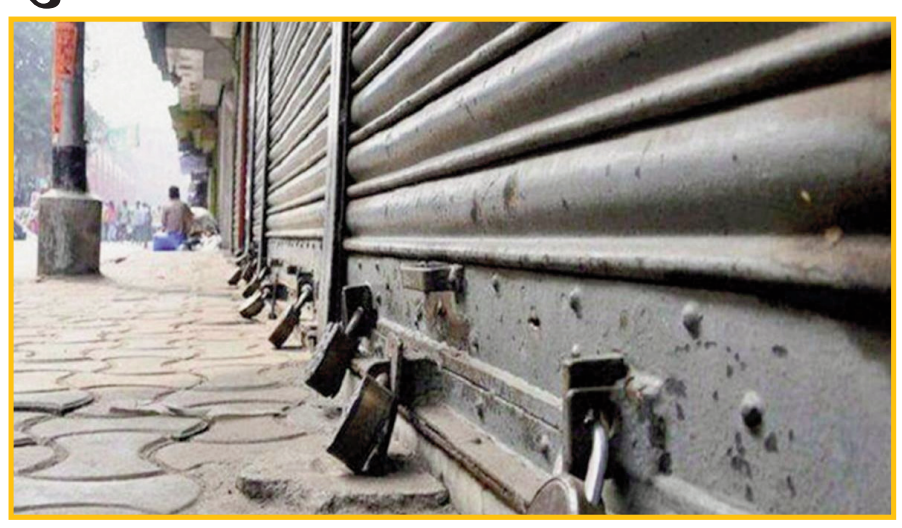

-- बबीता फोगाट

भारत बंद -विरोधाधिकार-चुनौती- जनसंकट और समाधान

(लेखिका - निर्मल रानी)

संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा तीन नए कृषि कानूनों के विरुद्ध दूसरी बार आहूत 'भारत बंद' का गत 27 सितंबर को राष्ट्रव्यापी प्रभाव देखने को मिला। सत्ता अर्थात भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता ने इसे 'अराजक तत्वों' द्वारा किया गया अराजकता पूर्ण विरोध प्रदर्शन तथा विपक्षी दलों द्वारा किसानों के कंधे पर बंदूक़ रखकर चलाना आदि बताया तो किसानों ने इसे अपने आंदोलन की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता,सफलता व आंदोलन को पूरे देश से मिलने वाले व्यापक समर्थन के रूप में देखा। इससे पूर्व किसानों ने इसी वर्ष 26 मार्च को भी इसी विषय को लेकर भारत बंदका आह्वान किया था जिसका प्रभाव पंजाब,हरियाणा,दिल्ली,राजस्थान व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकांश इलाक़ों में पड़ा था। उस समय सरकार के नुमाइंदों ने इसे 'असफल' भारत बंद बताया था। सत्ता पक्ष के लोग अक्सर यह कहते रहे हैं कि कृषि क़ानूनों के विरुद्ध कुछ मुट्ठी भर किसानों द्वारा यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। हालांकि भाजपा के संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से संबंधित भारतीय मज़दूर संघ सहित सत्ता से संबंधित अनेक नेता,मंत्री,सांसद,विधायक यहां तक कि राज्यपाल द्वारा भी किसानों के पक्ष में अपने विचार रखे जा रहे हैं। किसानों द्वारा गत दस महीनों से लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन के अपने अधिकारों के नाम पर गत दिनों दूसरी बार 'भारत बंद' का जो आह्वान किया गया था वह 26 मार्च के भारत बंद की तुलना में कहीं ज़्यादा सफल व व्यापक रहा। जम्मू-कश्मीर,पंजाब,हरियाणा से लेकर राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड,उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, ओड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक,केरल, तमिलनाडु सहित देश के 25 से भी अधिक राज्यों में भारत बन्द का व्यापक प्रभाव देखा गया। देश के अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्ग प्रातः 6 बजे से लेकर शाम चार बजे तक बन्द अथवा बाधित रहे। देश में कई स्थानों पर रेलवे सेवायें भी बाधित रहीं। निःसंदेह इस 27 सितंबर के भारत बंद को अभूतपूर्व सफलता मिलने का कारण यही था कि न केवल इस आंदोलन का अब राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार हो चुका है बल्कि इसबार इसे लगभग सभी विपक्षी दलों,मज़दूरों,कामगारों व छात्रों का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ।किसानों द्वारा अपने लोकतान्त्रिक विरोधाधिकार के नाम पर किये जाने वाले इस बंद की सफलता को लेकर यह कहा गया कि यह सत्ता की उस चुनौती का जवाब है जिसमें वह कहा करती है कि यह सीमित क्षेत्र के मुट्ठी भर सरमायेदार किसान आंदोलनरत हैं। राष्ट्रविरोधी,ख़ालिस्तानी व मवाली क़िस्म के किसान जैसी उपाधियों से नवाज़ने वाली सत्ता को इस बंद के माध्यम से जवाब दिया गया है। धर्म जाति व क्षेत्र के नाम पर किसानों व आंदोलन को कमज़ोर करने की कोशिश करने वाली सरकार को इस बंद के माध्यम से यह बताने की कोशिश की गयी है कि यह आंदोलन देश के 'अन्नदाताओं' का राष्ट्रव्यापी आंदोलन है जो तीनों कृषि क़ानूनों के वापस लिये बिना समाप्त नहीं होने वाला। जिस आंदोलन में दुधमुंहे बच्चे से लेकर सौ वर्ष से अधिक उम्र वाले अनेक बुज़ुर्ग डटकर सत्ता को चुनौती दे रहे हों,बहुमत के नशे में चूर सत्ता द्वारा उस आंदोलन को कमज़ोर या हल्का समझना निश्चित रूप से उसकी बड़ी भूल है। परन्तु इस प्रकार के भारत बंद से आम जनता को भी भारी परेशानी व जनसंकट का सामना करना पड़ता है। देश अब तक किसानों के इस भारत बंद के अलावा भी विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा जनसमस्याओं को लेकर या सत्ताविरोधी स्वर बुलंद करने के लिये सैकड़ों बार भारत बंद का सामना कर चुका है। और हर बार जनता को ट्रैफ़िक या जाम में फंसकर परेशानी का सामना करना पड़ा है। कई कई घंटों के जाम तो दिल्ली व आसपास के शहरों,महानगरों तथा देश के प्रमुख शहरों में बिना भारत बंद के ही आये दिन लगते रहते हैं। बारिश में भी जगह जगह लंबे समय तक जाम लगने की ख़बरें अक्सर सुनाई देती हैं। उस समय मीडिया आंशिक रूप से ऐसे जाम की ख़बरें तो ज़रूर देता है परन्तु उसके कारण व उनका ज़िम्मेदार कौन है इन बातों पर रौशनी नहीं डालता। जबकि किसानों द्वारा अपने व देश की जनता के हितों के मद्देनज़र किये जा रहे ऐसे आंदोलनों में 'गोदी मीडिया' किसानों पर दोष मढ़ने की कोशिश करता है तथा इस किसान आंदोलन को 'शाहीन बाग़' आंदोलन के धरने से जोड़ने की कोशिश करता है। भारत बंद की सफलता और इसे मूक दर्शक बने रहकर देखने की देश व राज्य सरकारों की मजबूरी यह साबित करती है कि पूर्ण बहुमत की यह सरकार उसके अनुसार 'मुट्ठी भर किसानों' के भारत बंद रुपी राष्ट्रव्यापी विरोध के आगे शक्तिहीन व असहाय रही। सरकार उस विपक्ष की रणनीतियों के आगे भी असफल दिखाई दी जिसपर वह किसानों को भड़काने व गुमराह करने का भी आरोप लगाती है साथ साथ उसी विपक्ष को मृत प्राय,कमज़ोर और कांग्रेस के लिये तो ख़ासकर 'कांग्रेस मुक्त भारत ' जैसे शब्दों का भी प्रयोग करती रहती है। कांग्रेस के अतिरिक्त बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(एन सी पी) आम आदमी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल समेत दक्षिण भारत के कई राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता बंद के दौरान भारत बंद को सफल बनाने के लिये सड़कों पर उतरे नज़र आए। भारत बंद की सफलता ने यह साबित कर दिया कि देश का किसान भी संगठित है और विपक्ष का भी किसानों को सर्वसम्मत व पूर्ण समर्थन हासिल है। सरकार को इस भारत बंद से सबक़ लेने की ज़रुरत है। अपने किसान विरोधी व जनविरोधी फ़ैसलों को संसद में बहुमत के आंकड़ों व रणनीतिपूर्ण चुनावी परिणामों से जोड़कर देखना सत्ता की भूल है। सरकार को महसूस करना चाहिये कि जहाँ सी ए ए व एन आर सी तथा तीन तलाक़ जैसे उसके क़ानून भारतीय समाज में उसकी सामाजिक विघटन की सोच को उजागर करते हैं उसी तरह तीन नए कृषि क़ानून व राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (ह्वत्नञ्) द्वारा निर्मित अनेक नियम क़ानून पूर्णतयः कृषक विरोधी हैं और यह सरकार की पूंजीवाद सोच को भी प्रतिबिंबित करते हैं। सरकार को यह भी सोचना चाहिये कि क्या वजह है कि सत्ता में आने के बाद उसके द्वारा एक के बाद एक लिये जा रहे नोटबंदी व जी एस टी जैसे तानाशाही पूर्ण फ़ैसले आख़िर क्योंकर जनता को बेचैन कर रहे हैं। टीकाकरण अभियान का ढिंढोरा पीट व इसके कथित कीर्तिमान को लेकर अपनी पीठ थपथपा कर सरकार नदियों किनारे तैरती लाशों व ऑक्सीजन की कमी से तड़प कर मरने व चीख़ने चिल्लाने वाले दृश्य देशवासियों की नज़रों से ओझल नहीं कर सकती। किसान संगठन बार बार कह रहे हैं कि जब तक किसान विरोधी तीनों कानून वापस नहीं लिए जाते और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम एस पी) की गारंटी देने वाला क़ानून नहीं बन जाता तब तक उनका आंदोलन व संघर्ष जारी रहेगा। ऐसे में अब सरकार को तय करना है कि वह किसानों से टकराने की अपनी झूठी-सच्ची रणनीति पर क़ायम रहना ही पसंद करती है या अपने अहंकार को समाप्त कर किसी सर्वमान्य निष्कर्ष पर पहुँच कर देश को धरने,प्रदर्शनों व जाम तथा बंद आदि से निजात दिलाने की दिशा में यथाशीघ्र कोई सार्थक क़दम उठती है।

प्रेम

आचार्य रजनीश ओशो/ प्रेम शारीरिक नहीं है, इसका नाता कहीं विश्रांति से है, पिघलने से है, पूरा मिट जाने से है। उन पलों में यह मिट जाता है अतः निश्चित ही यह शारीरिक नहीं। तुम्हें अधिक प्रेम देना सीखना होगा। तुम्हें बस लेने का अनुभव है। तो पहला अनुभव जो उसके अचेतन तक पैठ जाता है वह प्रेम लेने का है। परंतु समस्या यह है कि हर व्यक्ति बच्चा रहा है, और हर व्यक्ति के भीतर प्रेम पाने की आकांक्षा है; कोई भी किसी अलग ढंग से पैदा नहीं हुआ है। तो सभी मांग रहे हैं, 'हमें प्रेम दो' लेकिन देने वाला कोई भी नहीं क्योंकि वे भी उसी तरह पैदा हुए हैं। हमें सजग व सचेत रहना चाहिए कि हम जन्म की यह अवस्था हमारे पूरे जीवन पर आच्छादित न हो जाए। प्रेम देना बहुत सुंदर अनुभव है क्योंकि देने में तुम सम्राट हो जाते हो। लेना बहुत तुच्छ अनुभव है क्योंकि तुम भिखारी हो जाते हो। जहां तक प्रेम का प्रश्न है, भिखारी मत बनो, सम्राट रहो क्योंकि तुम्हारे भीतर यह गुणवत्ता असीम है। तुम जितना देना चाहो, दिए चले जा सकते हो। तुम चिंता मत करना कि यह चुक जाएगा, कि एक दिन तुम पाओगे कि 'हे प्रभु, मेरे पास तो प्रेम देने के लिए बचा ही नहीं।' प्रेम मात्रा नहीं, गुणवत्ता है, ऐसी गुणवत्ता..जो देने से बढ़ती है और पकड़े रहने से मर जाती है। अतः इसे पूरी तरह लुटा दो। चिंता मत लो, किसे..यह कंजूस व्यक्ति सोचता है- मैं उसे प्रेम दूंगा जिसमें अमुक गुण होंगे। तुम्हें पता ही नहीं कि तुम्हारे पास कितना प्रेम है..तुम भरे हुए बादल हो। बादल चिंता नहीं लेता कि कहां बरसे। चट्टान हो कि उपवन या कि सागर, कोई परवाह नहीं। यह स्वयं को हल्का करना चाहता है और वह निर्भारता ही विश्रांति है। तो पहला रहस्य है- इसे मांगें मत, प्रतीक्षा मत करें कि कोई आएगा तो हम देंगे। बस दे दें। अपना प्रेम किसी को भी दें..किसी अजनबी को ही सही। प्रश्न यह नहीं है कि तुम कुछ बहुत कीमती दे रहे हो, कुछ भी, थोड़ी सी सहायता, और वह काफी है। चौबीस घंटों में तुम जो भी करते हो उसे प्रेम से करो और तुम्हारे दिल की पीड़ा मिट जाएगी। और क्योंकि तुम इतने प्रेमपूर्ण होओगे, लोग तुम्हें प्रेम करेंगे। यह स्वाभाविक नियम है। तुम्हें वही मिलता है जो तुम देते हो। वास्तव में तुम उससे अधिक पाते हो जो तुम देते हो। देना सीखो और पाओगे कि लोग तुम्हारे प्रति कितने प्रेमपूर्ण हैं, वही लोग जिन्होंने तुम्हारे प्रति कभी ध्यान नहीं दिया। तुम्हारी समस्या यही है कि तुम्हारा दिल प्रेम से भरा है, लेकिन तुम कंजूस रहे हो; वही प्रेम तुम्हारे दिल पर बोझ हो गया है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मोदी की अमेरिका यात्रा पर कुतर्क गढ़ती सोशलमीडिया ?

(लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका जैसे विशिष्ट गणराज्य के दौरे पर हैं। वैश्विक संदर्भ के वर्तमान परिपेक्ष में भारत के लिए यह यात्रा बेहद अहम है। मोदी की इस यात्रा की अहमियत तब और बढ़ जाती है जब भारत के पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान में एक बार फिर अतिवादी ताकतें अपना आधिपत्य स्थापित जमा लिया हो। जबकि भारत दुनिया के हर मंच से आतंकवाद की आलोचना करता रहा है। अफगानिस्तान में तालिबानी शासन से भारत की चुनौतियां बढ़ गई हैं, उस हालात में जब चीन और पाकिस्तान जैसे देश अघोषित रूप से तालिबान के साथ खड़े हों। नेपाल और बांग्लादेश भी हमें आंखें दिखा रहा है। भारत कई ट्रिलियन डॉलर का निवेश अफगान में कर चुका है। उस हालात में देश के सामने सामरिक सुरक्षा की चुनौतियां भी मुंह बाए खड़ी है। ऐसे में यह यात्रा हमारे लिए विशेष हो जाती है। क्योंकि अमेरिका में ट्रंप शासन का अंत हो चुका है और जोबाइडन सत्ता में हैं। भारत और अमेरिका के बीच तमाम मुद्दों पर मतभेद होने के बावजूद भी दक्षिण एशिया में अमेरिकी उपस्थिति के लिए दोनों राष्ट्रों को कूटनीतिक तौर पर एक दूसरे की आवश्यकता है। यह सिर्फ भारत के लिए ही नहीं अमेरिका के लिए भी बेहद जरूरी है। क्योंकि चीन की बढ़ती चुनौतियां उसे मुश्किल में डाल रही हैं। रूस और चीन की जुगलबंदी अमेरिका के लिए घातक हो सकती है। लेकिन सोशलमीडिया पर प्रधानमंत्री की अमेरिकी यात्रा को जिस संदर्भ में लिया जा रहा है वह बेहद शर्मनाक है। प्रधानमंत्री की एक वायरल हुई तस्वीर को लेकर सत्ता और विपक्ष में शीतयुद्ध चलने लगा है। देश को इस से क्या मिलेगा यह अलग तथ्य है। लेकिन सोशलमीडिया प्लेटफॉर्म पर यह साबित करने की कोशिश की जा रही है कि %तेरे पीएम से अच्छा मेरा पीएम%। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि अमेरिकी यात्रा के दौरान सोशल मीडिया में जो तस्वीर वायरल हो रही है उसमें प्रधानमंत्री यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण फाइलों को निपटाते हुए देखे जा रहे हैं। फिर इस तस्वीर में आखिर बुराई क्या है जो बहस का हिस्सा बनी है। प्रधानमंत्री एक महत्वपूर्ण यात्रा पर हैं उस संबंध में सत्ता और विपक्ष सोशलमीडिया पर चर्चा क्यों नहीं कर रहा कि अमेरिकी यात्रा से भारत को कितनी उम्मीदें हैं। भारत को इस यात्रा से क्या लाभ मिल सकता है। मोदी क्या ट्रंप जैसे बाइडन के करीब आ सकते हैं। अफगानिस्तान में तालिबानी शासन को लेकर अमेरिका क्या भारत की चिंताओं पर ख्याल कर सकता है। चीन और पाकिस्तान की गतिविधियों को लेकर अमेरिका क्या भारत को कोई मजबूत भरोसा दे सकता है। कोविड महामारी की जंग दोनों देशों के आपसी तालमेल से कितनी और राहत मिल सकती है उस हालात में जब भारत, अमेरिका और दूसरे देशों में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सामरिक सुरक्षा, आर्थिक विकास बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी, आतंकवाद, हिंसा सामाजिक असंतुलन जैसी समस्याओं पर हम विचार क्यों नहीं कर सकते। सत्ता और विपक्ष एक साथ मिलकर देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका क्यों नहीं निभा सकता। सत्ता से बाहर आते ही विपक्ष की सारी जिम्मेदारियां क्यों खत्म हो जाती है। उसके लिए क्या देश और लोगों की समस्याएं कोई मायने नहीं रखती हैं। क्या सिर्फ सत्ता ही देश सेवा का अनूठा माध्यम है। बदले राजनीतिक दौर में सत्ता और विपक्ष दोनों में इसका नितांत अभाव दिखता है। सत्तापक्ष, विपक्ष को न भरोसे में लेना चाहती है और विपक्ष न सत्तापक्ष के भरोसे में आना चाहता है। सिर्फ कुतर्क गढ़े जाते हैं और दोनों एक दूसरे की नुक्ताचीनी करने में लगे हैं। आपको याद होगा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसके पूर्व भी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की एक तस्वीर अपनी धर्म पत्नी के साथ वायरल है। जिसमें विदेश दौरे के दौरान विमान में शास्त्रीजी महत्वपूर्ण फाइलों को निपटा रहे हैं। निश्चित रूप से एक राष्ट्र अध्यक्ष की है अपनी नैतिक जिम्मेदारी है कि देश ने उसे जो दायित्व सौंपा है वह निभाए। अब उसी तरह की तस्वीर अमेरिकी यात्रा के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वायरल हुई तो सोशलमीडिया पर इसे शास्त्री की नकल बताया गया और उसकी आलोचना की जा रही है। सामान्य आदमी अगर अपनी तस्वीरें वायरल कर सकता है तो क्या प्रधानमंत्री को यह अधिकार नहीं है। उसके पास अपनी कुछ इच्छाएं नहीं हैं। सत्ता और विपक्ष के समर्थक आपस में भिड़े हुए हैं। लालबहादुर शास्त्री की तस्वीर को रीयल और मोदी की तस्वीर को रील बताया जा रहा है। देश के एक सम्मानित मीडिया हाउस की तरफ से भी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली गई है। जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी,नरसिम्हा राव,भारत रत्न अटल बिहारी, बाजपेयी और मनमोहन सिंह को विदेश यात्रा के दौरान विमान में कार्य करते हुए दिखाया जा रहा है। तस्वीरों के माध्यम से यह बताने की कोशिश की जा रही है कि प्रधानमंत्री मोदी ही नहीं दूसरे प्रधानमंत्रियों ने भी अपनी यात्रा के दौरान इस तरह के कार्य करते रहे हैं। एक दूसरी वायरल तस्वीर में एक तरफ प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और उनकी पत्नी के साथ एयर इंडिया का विमान दिख रहा है। दूसरी तरफ आत्मनिर्भरता दिखाते हुए प्रधानमंत्री का विमान दिख रहा है जिस पर एयर इंडिया के बजाय भारत लिखा है। एक तस्वीर में पूर्व प्रधानमंत्री रहे राजीव गांधी को विमान में सोते दिखा गया है जबकि दूसरे में नरेंद्र मोदी की वह तस्वीर है जो हाल में वायरल हो रही है। यह साबित करने की कोशिश है कि मोदी काम करते दिख रहे हैं जबकि राजीव गांधी को सिर्फ विदेश यात्रा का शौक था। सोशलमीडिया प्लेटफॉर्म पर एक तस्वीर यह भी वायरल है जिसमें 2010 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कनाडा यात्रा के दौरान प्लेन से उतर रहे हैं तो उन्हें छाता दिखाया जा रहा है। जबकि अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी खुद छाता लेकर निकल रहे हैं।हालांकि छाते वाली तस्वीर पर भी सोशल मीडिया पर आलोचना हुई है कि प्रधानमंत्री की अगवानी के लिए विमान तल पर जो लोग खड़े थे वे छाता नहीं लिए थे, लेकिन मोदी छाता क्यों लिए थे। अब इन तथ्यहींन बहसों का क्या मतलब। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के साथ इंदिरा गांधी की एक तस्वीर भी विदेश यात्रा की सोशलमीडिया में सुर्खियां बटोर रही है जिसमें विदेश यात्रा के दौरान काफी भीड़ उनके स्वागत में उमड़ी है। दावा किया गया है कि पंड़ित नेहरू के साथ इसी यात्रा के दौरान इंदिरा गांधी का नाम %इंदिरा% पड़ा था। फिलहाल सोशलमीडिया पर इस तथ्य और दिशाहीन बहस से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। क्योंकि यह मौसमी कुतर्क है और राजनीति का द्वन्द्ववाद है। सोशलमीडिया अच्छी भाषा और विचारों के बजाय सिर्फ कुतर्कों की गंदगी फैला रहा है। देश और समाज को बांटने का काम कर रहा है। हमें हर हालात में इस स्थिति से बचना होगा।

इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स को शुरू करने के लिए प्रौद्योगिकी के साथ तैयार है बीएसई

नई दिल्ली। देश का प्रमुख शेयर बाजार बीएसई अपने मंच पर इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) शुरू करने के लिए प्रौद्योगिकी के साथ तैयार है। बीएसई के मुख्य व्यवसाय अधिकारी समीर पाटिल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे देशभर में पीली धातु के लिए समान मूल्य ढांचा बनाने में मदद मिलेगी। पाटिल ने कहा कि एक्सचेंज जरूरी आंतरिक मंजूरी हासिल करेगा और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने मंच पर नयी प्रतिभूति श्रेणी शुरू करने को आवेदन करेगा।

इससे पहले सेबी के निदेशक मंडल ने मंगलवार को गोल्ड एक्सचेंज के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें पीली धातु में कारोबार ईजीआर के रूप में होगा और इससे एक पारदर्शी हाजिर मूल्य खोज तंत्र विकसित करने में मदद मिलेगी। अभी भारत में सिर्फ गोल्ड डेरिवेटिव्स और गोल्ड ईटीएफ की अनुमति है। वहीं अन्य देशों में सोने के भौतिक कारोबार के लिए हाजिर एक्सचेंज होते हैं। सोने का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्पाद को इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) कहा जाएगा और इसे प्रतिभूतियों के रूप में अधिसूचित किया जाएगा। ईजीआर में अन्य प्रतिभूतियों की तरह कारोबार, समाशोधन और निपटान की खूबियां होंगी।

एफपीआई ने सितंबर में भारतीय बाजारों में 26,517 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 26,517 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह लगातार दूसरा महीना है जबकि एफपीआई भारतीय बाजारों में शुद्ध लिवाल रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 30 सितंबर के दौरान शेयरों में 13,154 करोड़ रुपये तथा ऋण या बांड बाजार में 13,363 करोड़ रुपये डाले। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 26,517 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले अप्रैल में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 16,459 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इक्विटी तकनीकी शोध) श्रीकांत चौहान ने कहा, ''ज्यादातर प्रमुख उभरते बाजारों में एफपीआई ने सितंबर माह में पूंजी डाली है। इस दौरान भारत में एफपीआई का प्रवाह सबसे ऊंचा रहा।'' उन्होंने कहा कि इस दौरान दक्षिण कोरिया के बाजारों में एफपीआई का निवेश 88.4 करोड़ डॉलर, थाइलैंड में 33.8 करोड़ डॉलर और इंडोनेशिया में 30.5 करोड़ डॉलर रहा। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''मौजूदा रुख से संकेत मिलता है कि एफपीआई अब लघु अवधि की चुनौतियों से आगे देखने लगे हैं और उनका ध्यान वृहद रुख पर है।'' उन्होंने कहा कि एफपीआई धीरे-धीरे अपना सतर्कता का रुख छोड़ रहे हैं और भारतीय बाजारों के प्रति उनका भरोसा बढ़ रहा है।

दूरसंचार विभाग ने स्थानीय खरीद की सूची में राउटर, स्विच को जोड़ने का आदेश फिलहाल रोका

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सरकारी इकाइयों के लिए स्थानीय विनिर्माताओं से खरीदे जाने वाले दूरसंचार उपकरणों की सूची का विस्तार करने संबंधी अपने आदेश को फिलहाल रोक दिया है। विभाग ने 31 अगस्त को जारी अपने आदेश में एसडी-वान राउटर और स्विच समेत दो दर्जन अन्य दूरसंचार उपकरणों को स्थानीय निर्माताओं द्वारा खरीदे जाने वाली सूची में शामिल किया था। इनका उपयोग दूरस्थ शाखाओं और डेटा केंद्रों को जोड़ने के लिए किया जाता है। विभाग ने इसके अलावा इन उपकरणों के उपयोग के लिए आयात किये जाने वाले घटकों की अनुमति दे दी थी। अधिसूचना में कहा गया, '' दूरसंचार विभाग द्वारा 31 अगस्त, 2021 को जारी किये गए आदेश को अगले आदेश तक रोक दिया गया है। विभाग ने हालांकि इस फैसले को टालने का कारण नहीं बताया।''

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर एसबीआई ने मनाया 'एनपीएस दिवस'

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर देश के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) दिवस शुरू करने की घोषणा की। एनपीएस दरअसल देश में पेंशनभोगी समाज के गठन के लिए भारत सरकार के मिशन के तहत पीएफआरडीए के अभियान के अनुरूप है। एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा ने अपने लाखों ग्राहकों के बीच एनपीएस के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अपनी सभी शाखाओं में इस पहल की शुरुआत की। खारा ने एनपीएस दिवस के हिस्से के रूप में योनो एसबीआई पर सभी नागरिक क्षेत्र के तहत व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए एनपीएस पंजीकरण कार्यक्षमता भी शुरू की।

इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, ''हमें अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अनुरूप 'एनपीएस दिवस' मनाते हुए खुशी हो रही है। हमारा मानना है कि हमारे ग्राहकों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित सेवानिवृत्ति सुनिश्चित करने के लिए एनपीएस में निवेश के महत्व को समझने का यह एक बेहतर अवसर है। हम एसबीआई में अपने ग्राहकों को एनपीएस के बारे में शिक्षित करना जारी रखेंगे जिससे उन्हें बहुत कम उम्र से ही अपने जीवन के सुनहरे दौर के लिए बचत की आदत विकसित करने में मदद मिलेगी।''

एसबीआई द्वारा मनाया गया एनपीएस दिवस भारत में एक पेंशनभोगी समाज बनाने के लिए भारत सरकार के मिशन की दिशा में एक कदम है।

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली एक दीर्घकालिक निवेश उत्पाद है जिसमें बहुत कम लागत वाली संरचना होती है, जो बाजार से जुड़े रिटर्न की पेशकश करती है। एनपीएस को पीएफआरडीए द्वारा विनियमित किया जाता है।

ई-श्रम पोर्टल पर 2.5 करोड़ से अधिक अनौपचारिक श्रमिकों ने पंजीकरण कराया: श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय ने कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर 2.5 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों ने पंजीकरण कराया है।

ई-श्रम पोर्टल का उद्घाटन 26 अगस्त 2021 को किया गया था।श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''पोर्टल पर अब तक 2.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण किए जा चुके हैं।'' ई-श्रम पोर्टल प्रवासी श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित असंगठित श्रमिकों का पहला राष्ट्रीय डेटाबेस है। बयान के मुताबिक श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि चौथे सप्ताह में 1.71 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण हो गया था, और इस (5वें) सप्ताह में कुल 2.51 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 के अनुमान के मुताबिक करीब 38 करोड़ श्रमिक असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इससे पहले दिन में केंद्रीय मंत्री ने श्रम ब्यूरो के 101वें स्थापना दिवस के अवसर पर चंडीगढ़ के श्रम ब्यूरो भवन में क्षेत्र संबंधित प्रतिष्ठान सर्वेक्षण (एएफईएस) के जमीनी कार्य को झंडी दिखाकर रवाना किया।

कृभको, सीएससी में कृषि-आदान उत्पादों के विपणन के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली। सीएसी ई-गवर्नेंस सर्विसेज ने चार लाख ग्राम स्तर के उद्यमियों के जरिये किसानों की उर्वरक तथा अन्य कृषि आदानों (इनपुट) तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कृषक भारती कोऑपरेटिव (कृभको) से हाथ मिलाया है।

एक बयान में कहा गया है कि साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) के जरिये कृभको उत्पादों की बिक्री और विपणन किया जाएगा। इनमें उर्वरक मसलन आयातित यूरिया, डीएपी, एनपीके/एनपीएस, जैव-उर्वरक, सिटी कंपोस्ट, जिंक सल्फेट, प्रमाणीकृत बीज और हाइब्रिड बीज जैसे उत्पाद शामिल हैं। कृभको द्वारा उर्वरकों, कृषि आदानों तथा बीजों का विनिर्माण, आयात और विपणन किया जाता है।

इससे पहले इसी साल सीएससी ने बीज, कीटनाशक जैसे कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कृषि मशीनरी को किराये पर देने या लेने तथा अपने वीएलई तथा कृषक उत्पादक संगठनों के जरिये कृषि उपज के कारोबार के लिए कृषि सेवा मंच का गठन किया था। सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लि. के प्रबंध निदेशक दिनेश त्यागी ने कहा कि कृभको के साथ हमारी भागीदारी सरकार के किसानों और कृषक समुदाय को सेवा के एजेंडा को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

अमेजन, फ्लिपकार्ट की त्योहारी बिक्री की जोरदार शुरुआत, टियर 2-3 शहरों में तेजी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट और अमेजन इंडिया ने कहा कि इस साल उनकी त्योहारी बिक्री की मजबूत शुरुआत हुई है और टियर-2 तथा टियर-3 शहरों की मांग में खासतौर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने कहा कि उसके 'फ्लिपकार्ट प्लस' कार्यक्रम (लॉयल्टी प्रोग्राम) के लिए पिछले साल की तुलना में इस साल 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि ग्राहकों की लगभग 45 प्रतिशत मांग टियर-3 शहरों और उससे बाद के शहरों से है।

एक अलग बयान में अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष मनीष तिवारी ने कहा कि 'अमेजन डॉट इन' पर सालाना आधार पर सर्वाधिक एकल दिवस बिक्री हासिल करने वाले विक्रेताओं की संख्या में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि हमारे महीने भर चलने वाले उत्सव 'अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2021' की मजबूत शुरुआत हुई है, जिसमें लाखों ग्राहक अमेजन पर पंजीकृत छोटे विक्रेताओं से खरीदारी कर रहे हैं। इन दुकानदारों में स्थानीय दुकानें, स्टार्ट-अप और ब्रांड, कारीगर और बुनकर शामिल हैं।

तिवारी ने कहा, ''दो अक्टूबर को प्राइम ग्राहकों के लिए शीघ्र पहुंच के दौरान पिछले साल की तुलना में इस साल आयोजन में शामिल होने वाले स्थानीय दुकानदारों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई।''उन्होंने कहा कि प्राइम सब्सक्रिप्शन पूरे भारत में ग्राहकों की पसंद बना हुआ है, तीन में से दो नए प्राइम ग्राहक टियर-2 और टियर-3 शहरों से आते हैं।फ्लिपकार्ट की द बिग बिलियन डेज (टीबीबीडी) बिक्री आठ दिनों तक चलने वाला आयोजन है, जो 10 अक्टूबर को खत्म होगा, वहीं अमेजन इंडिया का जीआईएफ एक महीने तक चलेगा। इसके अलावा मिंत्रा, स्नैपडील और अन्य ई-कॉमर्स मंच भी इसी तरह के बिक्री आयोजित कर रहे हैं।

फ्लिपकार्ट ने अपने बयान में कहा कि उसके टीबीबीडी के आठवें संस्करण की शुरुआत सकारात्मक रही। बयान में कहा गया, ''फ्लिपकार्ट प्लस के जरिए ग्राहकों के लिए शुरुआती पहुंच में पिछले साल की तुलना में 40 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। दिलचस्प बात यह है कि ग्राहकों की लगभग 45 प्रतिशत मांग टियर-3 शहरों से आ रही है।

जायडस कैडिला ने 1900 रुपये में कोविड वैक्सीन की तीन खुराकों की पेशकश, सरकार कर रही मोलभाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और जायडस कैडिला के बीच कोविड-19 वैक्सीन जायकोव-डी की कीमत को लेकर बातचीत चल रही है, जिसे 12 साल से ऊपर के लोगों को दिया जा सकता है। दवा कंपनी ने जायकोव-डी की तीन खुराकें 19,00 रुपये में देने की पेशकश की है। हालांकि, सरकार कीमतों को कम करने के लिए मोलतोल कर रही है और इस पर अंतिम फैसला इसी सप्ताह किए जाने की संभावना है। सरकार ने कहा था कि जायडस कैडिला द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित दुनिया की पहली डीएनए-आधारित सुई-रहित कोविड-19 वैक्सीन का इस्तेमाल जल्द ही शुरू किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया, ''कंपनी ने अपनी तीन खुराकों के लिए करों सहित 1,900 रुपये की कीमत का प्रस्ताव किया है।' उन्होंने बताया, ''बातचीत जारी है। कंपनी को टीके की लागत के बारे में सभी पहलुओं पर फिर से विचार करने के लिए कहा गया है। वैक्सीन की कीमत पर अंतिम फैसला इसी सप्ताह किए जाने की संभावना है।'

एक अन्य सूत्र ने कहा कि जायकोव-डी की कीमत कोवैक्सीन और कोविशील्ड की तुलना में अलग होनी चाहिए, क्योंकि तीन खुराक वाली वैक्सीन होने के अलावा इसके लिए एक सुई रहित जेट इंजेक्टर का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी कीमत 30,000 रुपये है। एक जेट इंजेक्टर का उपयोग लगभग 20,000 खुराक देने के लिए किया जा सकता है। इस वैक्सीन की दूसरी और तीसरी खुराक, पहली खुराक के 28 और 56 दिन बाद दी जानी है। सूत्रों के मुताबिक केंद्र और कंपनी के बीच अब तक करीब तीन दौर की बैठक हो चुकी है और आखिरी गुरुवार को हुई।

नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच ने डब्ल्यूटीआई पुरस्कारों के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली। नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) ने देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित अमृत महोत्सव समारोह के तहत विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाली 75 महिलाओं को सम्मानित करने के लिए आवेदन मांगे हैं।

नीति आयोग ने एक बयान में कहा कि स्थापना के बाद से अपने पांचवें वर्ष में वीमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवॉर्ड्स (डब्ल्यूटीआई) 2021 'सशक्त और समर्थ भारत' की दिशा में वह उन महिला उद्यमियों के योगदान का जश्न मनाएगा, जिन्होंने आत्मनिर्भर व्यवसायों का निर्माण किया है और असाधारण व्यापार समाधानों के जरिये चुनौतियों पर जीत हासिल की है। इस साल डब्ल्यूटीआई पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र, सिस्को सीएसआर, फिक्की और ग्रांट थॉर्नटन इंडिया के साथ साझेदारी में आयोजित किए जा रहे हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि आवेदन डब्ल्यूईपी की वेबसाइट पर उपलब्ध है, और आवेदन 31 दिसंबर, 2021 तक स्वीकार किए जाएंगे। महिला उद्यमी अपना नामांकन खुद कर सकती हैं या उन्हें दूसरों द्वारा नामित भी किया जा सकता है। नामांकन सात श्रेणियों - सार्वजनिक तथा सामुदायिक सेवा, विनिर्माण क्षेत्र, गैर-विनिर्माण क्षेत्र, आर्थिक विकास को सक्षम करने वाले वित्तीय उत्पाद, जलवायु संबंधी कार्रवाई, कला, संस्कृति एवं हस्तशिल्प और डिजिटल नवाचार - में कराये जा सकते हैं।

टाई हैदराबाद चैप्टर की सामाजिक उद्यम के लिए 20-30 करोड़ डॉलर के कोष की योजना

नई दिल्ली। उद्यमियों के संगठन टाई हैदराबाद ने कहा कि वह वैश्विक सामाजिक योगदान के लिए आगामी टाई स्थिरता शिखर सम्मेलन में 20-30 करोड़ डॉलर के सामाजिक प्रभाव कोष की शुरुआत करेगा।

इस कोष की मदद से वैश्विक सामाजिक उद्यमियों को अपना कारोबार बढ़ाने के लिए मदद दी जाएगी।

टाई ग्लोबल चेयर और टाई हैदराबाद के अध्यक्ष मनोहर रेड्डी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शुरू हो रहे तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान यह कोष बढ़कर 40 करोड़ डॉलर तक हो सकता है। इसके अलावा टाई हैदराबाद शिखर सम्मेलन के जरिये सामाजिक उद्यमियों को टाई ग्लोबल के 10 करोड़ डॉलर के कोष में भाग लेने का मौका भी मिलेगा। उन्होंने कहा, ''हमारे पास जमीन पर सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले स्टार्ट-अप और व्यवसायों को कोष देने के लिए लगभग 20 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता है। शेष राशि विभिन्न सरकारों से अपेक्षित है, जिसमें से ज्यादातर अनुदान के रूप में होंगी। अनुदान की राशि व्यवसाय की प्रकृति और उसके जमीन पर पड़ने वाले प्रभाव पर निर्भर करेगी।''

TiE HYDERABAD
FOSTERING ENTREPRENEURSHIP

नियुक्ति: यूको बैंक के अगले प्रबंध निदेशक हो सकते हैं सोम शंकर प्रसाद, पीएम की अगुवाई वाली नियुक्ति समिति लगाएगी अंतिम मुहर

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के उप-प्रबंध निदेशक सोम शंकर प्रसाद को कोलकाता स्थित यूको बैंक का अगला प्रबंध निदेशक नियुक्त किया जा सकता है। बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) ने यूको बैंक के प्रबंध निदेशक अतुल कुमार गोयल को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की है। पीएनबी के प्रबंध निदेशक का पद जनवरी में एस एस मल्लिकार्जुन राव की सेवानिवृत्ति के बाद से रिक्त है। सूत्रों ने बताया कि इस साल इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के समय प्रसाद का नाम आरक्षित सूची में था। सतर्कता सहित विभिन्न मंजूरियों के बाद उन्हें यूको बैंक का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।

बोर्ड ने निदेशक पद के लिए लिया था इंटरव्यू

सूत्रों ने कहा कि इस बारे में अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री की अगुवाई वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा लिया जाएगा। बीबीबी ने इस साल मई में इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक पद के लिए साक्षात्कार लिए थे। साक्षात्कार के बाद शांति लाल जैन को प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की गई थी। उस समय प्रसाद आरक्षित सूची में थे।

बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) ने यूको बैंक के प्रबंध निदेशक अतुल कुमार गोयल को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की है।

पहली तिमाही में यूको बैंक का शुद्ध लाभ चार गुना बढ़ा

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले महीने यूको बैंक को त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) ढांचे से बाहर किया था। विभिन्न मानदंडों में सुधार के बाद बैंक को पीसीए से बाहर किया गया था। चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में यूको बैंक का शुद्ध लाभ चार गुना होकर 101.81 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

आईपीएल 2021: केकेआर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की प्रबल दावेदार

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर (आईसीबी) की टीमें आईपीएल 2021 के प्लेऑफ में पहुंच चुकी हैं। लेकिन चौथी टीम के क्वालीफाई करने के लिए जंग जारी है।

आरसीबी ने रविवार को पंजाब किंग्स को हराकर 12 मैचों में 16 अंक हासिल किए और वह तीसरी टीम बनी जिसने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया।

मौजूदा समय में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की दावेदार के रूप में नजर आ रही है। दो बार की चैंपियन टीम ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर अपनी दावेदारी पुख्ता की है।

केकेआर के 13 मैचों में 12 अंक हैं और उसका नेट रन रेट भी प्लस 0.294 है। प्लेऑफ के लिए जंग लड़ रहीं अन्य चार टीमों में केकेआर की टीम ऐसी एकमात्र टीम है जिसका नेट रन रेट पॉजिटिव है।

केकेआर की टीम फिलहाल चौथे स्थान पर है। उसका आखिरी मुकाबला सात अक्टूबर को राजस्थान रॉयल्स से होना है। अगर केकेआर की टीम यह मुकाबला अच्छे अंतराल से जीतने में सफल रही तो अन्य तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का सफर थम जाएगा।

पंजाब की टीम 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और उसका अगला मुकाबला चेन्नई के साथ सात अक्टूबर को होना है। पंजाब को पिछले मैच में आरसीबी के हाथों हार का सामना करना जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है।

पंजाब की टीम अब 14 अंक हासिल नहीं कर सकती लेकिन अगर वह चेन्नई को बड़े अंतर से हरा देती है तो भी उसे उम्मीद करनी होगी कि केकेआर राजस्थान के खिलाफ अपना मुकाबला हारे तथा मुंबई इंडियंस भी पांच अक्टूबर को राजस्थान को हराए। लेकिन फिर राजस्थान और मुंबई को अपने अन्य मुकाबले भी बड़े अंतर से हारने होंगे। हालांकि, यह इतना आसान नहीं है और फिलहाल पंजाब के लिए टूर्नामेंट में आगे के रास्ते बंद नजर आ रहे हैं।

राजस्थान की टीम 10 अंक के साथ छठे स्थान पर है। राजस्थान का अगला मैच मुंबई के साथ होना है और फिर उसे केकेआर की चुनौती का भी सामना करना होगा। राजस्थान को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

मुंबई की टीम 10 अंक लेकर सातवें नंबर पर है और उसका अगला मुकाबला राजस्थान के साथ होगा। फिर उसे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ भी

आठ अक्टूबर को मैच खेलना है। इनका नेट रन रेट माइनस 0.453 है जो अन्य चार टीमों में सबसे खराब है। मुंबई को अपने दोनों मुकाबले बड़े अंतर से जीतने होंगे। अगर केकेआर अपना अगला मैच जीतने में सफल रही तो मुंबई की उम्मीदें धूमिल हो जाएंगी।

भारतीय पहलवान रोहित ने कांस्य पदक के प्ले ऑफ में, पिंकी सेमीफाइनल में

ओस्लो (नॉर्वे) (एजेंसी)।

भारतीय पहलवान रोहित ने तकनीकी दक्षता के आधार पर तुर्की के सेलाहतिन किलिसालयन को हराकर सोमवार को यहां विश्व चैंपियनशिप के पुरुष 65 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक प्ले आफ में जगह बनाई जबकि पिंकी महिला 55 किग्रा के सेमीफाइनल में प्रवेश करने में सफल रही। रोहित रेपेचेज मुकाबले के लिए उतरे तो उन्हें शुरुआत में जूझना पड़ा। उन्होंने शुरू में अधिकांश समय रक्षात्मक रुख अपनाया और 1-2 से पिछड़ गए। पहले पीरियड के अंत में हालांकि उन्होंने 'डबल लेग' हमला किया और इसे अंक में बदलकर 5-2 की बढ़त बना ली। दूसरे पीरियड में रोहित ने बेहतर प्रदर्शन किया और लगातार अंक जुटाते हुए विजयी बढ़त बनाई।

शाम के सत्र में कांस्य पदक के प्ले आफ में उनका मुकाबला मंगोलिया के तुल्गा तुमुर ओचिर से होगा। सत्यव्रत कादियान (97 किग्रा) और सुशील (70 किग्रा) को हालांकि अपने क्वालीफिकेशन दौर के मुकाबलों में क्रमश: कोरिया के मिनवोन सियो और जॉर्जिया के जुराबी इयाकोबिशविली के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। कादियान ने विरोधी को बाहर धकेलकर छह अंक जुटाए। सियो ने भी छह अंक हासिल किए लेकिन कोरिया के खिलाड़ी को अधिक अंक का मूव बनाने के कारण विजेता घोषित किया गया। उन्होंने दो बार दो अंक जुटाए। दूसरी तरफ सुशील को 1-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। महिला वर्ग में पिंकी को कोरिया की किम सोयोन के खिलाफ क्वालीफिकेशन दौर में 5-0 की जीत के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने इसके बाद कजाखस्तान की ऐशा उलिशान को चित्त करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

उलिशान के खिलाफ पिंकी ने अति रक्षात्मक रवैये के लिए अंक जुटाया और फिर विरोधी को बाहर धकेला। उलिशान को भी पिंकी के अति रक्षात्मक रवैये के लिए अंक दिया गया लेकिन भारतीय पहलवान पहले पीरियड के बाद 2-1 से आगे थी। पिंकी ने इसके बाद कजाखस्तान की खिलाड़ी को मैट पर गिराकर दो अंक जुटाए और फिर उसे चित्त करके जीत दर्ज की। संगीता फोगाट ने 62 किग्रा वर्ग में जर्मनी की लुइसा नीमेश को 5-2 से हराकर अच्छी शुरुआत की लेकिन प्री क्वार्टर फाइनल में ब्राजील की लेस नुनेस डि ओलिवियेरा से 4-6 से हार गई। घुटने की समस्या के कारण संगीता तीन साल के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी कर रही हैं।

महिला क्रिकेट : आयरलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक वनडे सीरीज की मेजबानी के लिए तैयार जिम्बाब्वे

हरारे। जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम मंगलवार से यहां हरारे स्पोर्ट कल्ब में आयरलैंड के खिलाफ चार मैचों की ऐतिहासिक वनडे सीरीज खेलने को तैयार है। दोनों टीमों के लिए पहला मैच एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच के बाद आयरलैंड के लिए यह पहला वनडे मैच होगा। इसके साथ इसी साल अप्रैल में आधिकारिक वनडे टीम का दर्जा प्राप्त होने के बाद आयरलैंड का यह पहला मैच होगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच कांटे की टक्कर से कम नहीं होगा। जिम्बाब्वे की टीम ने सितंबर में हुए आईसीसी टी20 महिला विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर्स में एक भी मैच नहीं हारा था। आयरलैंड ने आईसीसी टी20 महिला विश्व कप के यूरोप छेत्र क्वालीफायर में चार में तीन मैच जीते थे और दूसरे स्थान पर रही थी। दोनों टीमें शानदार फॉर्म में है जिससे यह सीरीज काफी रोमांचक होने वाली है।

सीरीज के कार्यक्रम इस प्रकार हैं-

5 अक्टूबर: पहला वनडे, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
7 अक्टूबर: दूसरा वनडे, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
9 अक्टूबर: तीसरा वनडे, हरारे स्पोर्ट्स क्लब
11 अक्टूबर: चौथा वनडे, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

ईसीबी को आराम और रोटेशन नीति पर विराम लगाने की जरुरत: हुसैन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि इंग्लैंड अपने आराम और रोटेशन नीति को कुछ ज्यादा ही आगे ले गया है, जिसके चलते कई अहम खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ को भी महत्वपूर्ण सीरीज से बाहर बैठना पड़ता है। उन्होंने साथ ही कहा कि बोर्ड को अब इस पर विराम लगाकर एक अच्छी टीम बनाने की जरुरत है। इंग्लैंड के शीर्ष खिलाड़ी जैसे कि जॉनी बेयरस्टो, सैम करेन, मोइन अली और क्रिस वोक्स जो कि आईपीएल का हिस्सा थे, वह जोए रूट की अगुवाई में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में शामिल नहीं थे। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान बेयरस्टो और मार्क वुड ने पहले दो टेस्ट में हिस्सा नहीं था और वे चौथे टेस्ट में मैदान पर उतरे थे। इसके अलावा इंग्लैंड के विकेटकीपर जोस बटलर भी पहले मैच के बाद घर वापस लौट गए थे। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट और वनडे कप्तान एलिस्टेयर कुक ने भी ईसीबी की रोटेशन पॉलिसी की आलोचना की थी और कीवी टीम के खिलाफ मिली हार का इसे मुख्य कारण बताया था। हुसैन ने रविवार को डेली मेल के लिए अपने कॉलम में कहा, जोए रूट को अब जितना संभव हो उतना निश्चित होना चाहिए अगर वह 1986/87 में माइक गैटिंग के बाद ऑस्ट्रेलिया में जीत हासिल करने वाले इंग्लैंड के दूसरे कप्तान बनने की कोशिश करने जा रहे हैं। उन्हें अपना एक हाथ बांध कर कप्तानी नहीं करनी चाहिए क्योंकि अब यह ज्यादा दिन नहीं चल पाएगा। उन्होंने कहा, कुछ चीजें कोविड की वजह से उनके नियंत्रण से बाहर हो गई हैं। लेकिन इंग्लैंड को अब अपनी आराम और रोटेशन नीति के बारे में सोचना चाहिए और एक शानदार योजना बनानी चाहिए। अब उन्हें उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ टीम को चुनना चाहिए और अगर फिर से अगले मैच में भी उसी टीम को चुनते है तो उन्हें परेशान नहीं होनी चाहिए। वह अगर ईमानदारी से अपने खिलाड़ियों से बातचीत करेंगे तभी खिलाड़ियों के बीच भी निश्चितता आएगी।

पैंडोरा पेपर्स में सचिन तेंदुलकर का नाम आने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम पैंडोरा पेपर्स की जांच में लिया गया है, जो विदेशी कंपनियों, गुप्त बैंक खातों, निजी जेट, नौकाओं, हवेली और यहां तक कि पाब्लो पिकासो, बैंक्सी और अन्य मास्टर्स की कलाकृतियों के गुप्त मालिकों का पदार्फाश करता है।

इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) की रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ तेंदुलकर ही नहीं, बल्कि पॉप संगीत दिवा शकीरा, सुपर मॉडल क्लाउडिया शिफर और एक इटालियन मॉबस्टर भी विदेशी संपत्ति के गुप्त दस्तावेज रखे वाले लोगों में शामिल है।

हालांकि तेंदुलकर के वकील ने कहा है कि क्रिकेट खिलाड़ी का निवेश वैध है और कर अधिकारियों को इसकी घोषणा कर दी गई है। शकीरा के वकील ने कहा कि गायिका ने अपनी कंपनियों की घोषणा की, जिसके बारे में वकील ने कहा कि कर लाभ प्रदान न करें। शिफर के प्रतिनिधियों ने कहा है कि सुपरमॉडल ब्रिटेन में अपने करों का सही भुगतान करती हैं, जहां वह रहती हैं।

आईसीआईजे ने 1.19 करोड़ से अधिक गोपनीय फाइलों का भंडार प्राप्त किया और 150 समाचार आउटलेट्स के 600 से अधिक पत्रकारों की एक टीम का नेतृत्व किया, जिन्होंने दो साल तक उनके माध्यम से छानबीन की। पैंडोरा पेपर्स मीडिया जगत के 600 से ज्यादा पत्रकारों की वित्तीय सेवाओं से 1.19 करोड़ दस्तावेजों की जांच पर आधारित है। आईसीआईजे ने हार्ड-टू-फाइंड (मुश्किल से मिलने वाले) स्रोतों को ट्रैक किया और अदालत के रिकॉर्ड और दर्जनों देशों से अन्य सार्वजनिक दस्तावेजों की भी जांच-पड़ताल की। अधिकांश देशों में, संपत्ति का अपतटीय यानी विदेश में होना या राष्ट्रीय सीमाओं के पार व्यापार करने के लिए शेल कंपनियों का उपयोग करना अवैध नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले व्यवसायी कहते हैं कि उन्हें अपने वित्तीय मामलों के संचालन के लिए अपतटीय कंपनियों की आवश्यकता है।

लेकिन इन मामलों में अक्सर उच्च-कर वाले देशों से मुनाफे को स्थानांतरित करने की राशि होती है, जहां वे कम-कर क्षेत्राधिकार में केवल कागज पर मौजूद कंपनियों के लिए अर्जित किए जाते हैं। आईसीआईजे ने कहा कि राजनीतिक हस्तियों के लिए अपतटीय आश्रयों का उपयोग विशेष रूप से विवादास्पद है, क्योंकि उनका उपयोग राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय या यहां तक कि अवैध रखने के लिए किया जा सकता है।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम अचानक से गलत वजह से सुर्खियों में आने से हड़कंप मच गया है। पैंडोरा पेपर्स के नाम से लीक हुए करोड़ों दस्तावेज में भारत समेत अन्य कई देशों के वर्तमान एवं पूर्व नेताओं, अफसरों और विख्यात हस्तियों के वित्तीय रहस्यों को उजागर करने का दावा किया गया है।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल का यह सीजन चुनौतीपूर्ण, कप्तान विलियमसन ने दिया बड़ा बयान

दुबई (एजेंसी)।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यह सत्र उनके लिये चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन इसको लेकर किसी को हायतौबा नहीं मचानी चाहिए। विलियमसन ने डेविड वार्नर से सनराइजर्स की कप्तानी संभाली थी लेकिन इससे भी उसका भाग्य नहीं बदला और टीम का इस बार तालिका में अंतिम स्थान पर रहना तय है। विलियमसन ने सनराइजर्स की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हाथों छह विकेट से हार के बाद कहा, ''पिचों में काफी भिन्नता है और हमने देखा है कि वे टीम सफल रही जिन्होंने इन पिचों से अच्छी तरह से सामंजस्य बिठाया। हमारे लिये यह महत्वपूर्ण है कि इस पर हायतौबा न मचायें। हमारे लिये यह निश्चित तौर पर चुनौतीपूर्ण सत्र रहा।'' उन्होंने कहा कि जब प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता तो बहुत चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिससे परेशानियां ही बढ़ती हैं।

विलियमसन ने कहा, ''मेरा निजी तौर पर मानना है कि टूर्नामेंट के दूसरे चरण में कप्तान के तौर पर मैंने यह प्रयास किया कि खिलाड़ियों का ध्यान न बंटे। कई चीजें होती हैं जिनसे खिलाड़ियों का ध्यान बंट सकता है।'' उन्होंने निराशा जतायी कि उनकी टीम पावरप्ले के छह ओवरों में अधिक से अधिक रन जुटाने में असफल रही। विलियमसन ने कहा, ''हमारे पास 140-150 रन तक पहुंचने का मौका था लेकिन हम

ऐसा नहीं कर पाये। इस पिच पर रन बनाना आसान नहीं था।

राहुल हर चीज में एडजस्ट करते हैं, कभी नहीं लगा वह एक लीडर हैं : जडेजा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा का कहना है कि पंजाब किंग्स के कप्तान लोकेश राहुल में लीडरशीप की गुणवत्ता की कमी है। पंजाब ने राहुल के नेतृत्व में 25 मुकाबलों में 14 में जीत हासिल की है। टीम आईपीएल के पिछले दो सीजन में छठे स्थान पर रही। इस सीजन में भी वह करीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। पंजाब की टीम फिलहाल 10 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है। क्रिकबज के हवाले से जडेजा ने कहा, अगर आप राहुल को देखें तो वह पिछले दो साल से टीम के कप्तान हैं। मुझे कभी नहीं लगा कि वह एक लीडर हैं। टीम कभी भी अच्छे या बुरे फेज से गुजरी हो हमने उनकी तरफ नहीं देखा।

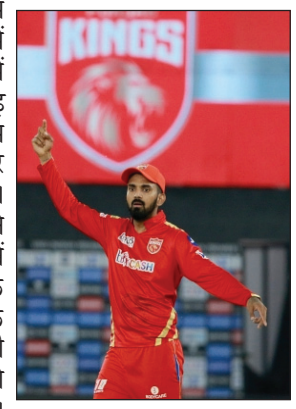

पंजाब की टीम जो आज खेल रही है और जो बदलाव उसमे हुए हैं, आपको क्या लगता है यह राहुल ने किया है। उन्होंने कहा, कोई भी भारतीय कप्तान अपनी फिलोस्फी के आधार पर बनता है क्योंकि उसे लीडर होना चाहिए। मैंने ऐसा राहुल में नहीं देखा है क्योंकि वह काफी नरम होकर बोलते हैं और सभी चीजों में एडजस्ट करते हैं। जडेजा ने कहा कि राहुल महेंद्र सिंह धोनी की तरह शांत रहते हैं लेकिन पंजाब की कप्तानी करने के दौरान उन्होंने अपने ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं ली है।

स्मृति और झूलन बहुत प्रभावशाली रहीं : मिताली

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)।

भारत की कप्तान मिताली राज ने रविवार को अपना पहला टेस्ट शतक जमाने वाली बल्लेबाज स्मृति मंधाना और अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की तारीफ की। मिताली ने कहा, स्मृति बहुत प्रभावशाली रही है। मैं एकदिवसीय मैचों में यास्तिका भाटिया और ऋचा घोष से भी प्रभावित थी। मुझे यकीन है कि हरमनप्रीत टी20 में मैदान में उतरेंगी। उन्होंने आगे कहा कि 38 वर्षीय झूलन ने यह भी दिखाया कि वह इतने लंबे समय तक अपने देश से सर्वश्रेष्ठ क्यों रही हैं। झूलन इतने सालों से हमेशा हमारी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज कर रही हैं और हमें यह देखने को मिला कि वह सर्वश्रेष्ठ क्यों थीं। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया और युवा तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर और मेघना सिंह को झूलन के साथ मौका दिया गया ताकि वे बहुत कुछ सीख सकें। मिताली ने कहा कि अगर ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में चार और विकेट मिलते तो मेहमान टीम कुछ और ओवर करने की कोशिश करती। मैच 36/2 पर ऑस्ट्रेलिया के साथ ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

टी 20 विश्व कप में सभी वेन्यू में अधिकतम 70 फीसदी होगी दर्शकों की संख्या

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में सभी आयोजन स्थल अधिकतम 70 फीसदी दर्शकों की क्षमता के साथ ऑपरेट कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

आईसीसी ने कहा, टी20 विश्व कप के दौरान यूएई में सभी वेन्यू करीबन 70 फीसदी दर्शकों की क्षमता के साथ ऑपरेट करेंगे। ओमान क्रिकेट अकादमी ने 3000 दर्शकों का स्वागत करने के लिए अस्थायी रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है। आईसीसी और मेजबान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रशासन के साथ कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत दर्शकों का स्वागत करने पर करीब से काम कर रहे हैं। टी20 विश्व कप की शुरूआत ओमान और पापुआ न्यू गुएना के बीच मस्कट में होने वाले राउंड-1 मुकाबले से होगी। सुपर-12 में 23 अक्टूबर को अबु धाबी में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच 24 अक्टूबर को दुबई में मैच खेला जाएगा। आईसीसी के कार्यकारी सीईओ जिओफ एलार्डिस ने कहा, हम आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का आनंद लेने के लिए ओमान और यूएई दोनों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रशंसकों का स्वागत करते हुए खुश हैं। हम अपने मेजबान बीसीसीआई, अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और ओमान क्रिकेट के साथ-साथ इन क्षेत्रों में स्थानीय सरकारों को धन्यवाद देते हैं।

रोहित शर्मा बोले- मेरी नजर में हम इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 2-1 से जीते

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

इंग्लैंड के खिलाफ हाल में संपन्न टेस्ट श्रृंखला का पांचवां और अंतिम टेस्ट कोविड-19 से जुड़े मामलों के कारण रद्द होने के बाद भले ही श्रृंखला के आधिकारिक नतीजे को लेकर अभी भ्रम बना हो लेकिन स्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का कहना है कि उनकी नजर में भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली है। इंग्लैंड दौरे के दौरान भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे जिसके बाद उन्हें और उनके करीबी संपर्क माने गए मुख्य फिजियो नितिन पटेल, गेंदबाजी कोच भरत अरूण और क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर को पृथकवास पर भेजा गया। पटेल की गैरमौजूदगी में सहायक फिजियो योगेश परमार ने टीम की जिम्मेदारी संभाली लेकिन बाद में वह भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए जिसके बाद मैनचेस्टर में होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट को रद्द कर दिया गया। मैच जब रद्द हुआ तब भारत श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से आग्रह किया है कि इस मैच को भारत द्वारा गंवाया हुआ घोषित किया जाए और श्रृंखला का नतीजा 2-2 से बराबर हो। भारत हालांकि इस मैच को अगले साल के इंग्लैंड दौरे के दौरान खेलने को तैयार है। रोहित ने जब इस श्रृंखला के बारे में पूछा गया तो उन्होंने यहां खेल सामग्री बनाने वाली कंपनी 'एडीडास' की आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, ''मुझे नहीं पता कि आधिकारिक रूप से क्या फैसला रहेगा लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन किया और मेरी नजर में हमने 2-1 से श्रृंखला जीती है।'' रोहित के लिए वह दौरा सफल रहा था और वह इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के बाद श्रृंखला में दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने चार मैचों में 52.57 के औसत के 368 रन बनाए और सलामी बल्लेबाज के रूप में विदेशी सरजमीं पर अपना पहला शतक जड़ा। उन्होंने इसके अलावा दो और अर्धशतक जड़े। रोहित ने इंग्लैंड दौरे पर प्रदर्शन के संदर्भ में कहा, ''निजी तौर पर यह दौरा मेरे लिए अच्छा रहा और मैं इस दौरे से मिले आत्मविश्वास को भविष्य के दौरों पर भी जारी रखना चाहता हूं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कैथोलिक चर्च में बच्चों का यौन उत्पीड़न करने वालों की संख्या 3,000 के हो सकती है पार!

पेरिस। फ्रांस में रोमन कैथोलिक चर्च में बच्चों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच कर रहे स्वतंत्र आयोग का मानना है कि पिछले 70 साल में चर्च में काम करने वाले पादरियों में से दो तिहाई यानी लगभग 3,000 लोग यौन उत्पीड़न में शामिल रहे हैं। आयोग के अध्यक्ष ज्यां-मार्क सौवे ने अखबार जर्नल दू दिमांशे में रविवार को प्रकाशित साक्षात्कार में यह अनुमान व्यक्त किया है। आयोग लगभग ढाई साल से इस मामले में पड़ताल कर रहा है। इसके अंतिम पूर्ण नतीजे मंगलवार को जारी किये जा सकते हैं। सौवे ने यौन उत्पीड़न के शिकार लोगों की संख्या नहीं बताई लेकिन कहा कि रिपोर्ट में नया आकलन शामिल है। बच्चों का यौन उत्पीड़न करने वालों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हमारा अनुमान है कि 1950 के दशक से काम करने वाले चर्च के 11,500 पादरियों और अन्य लोगों में से उनकी संख्या 3,000 है।

जॉर्ज फ्लॉयड की याद में बनाई गई प्रतिमा को किया गया नष्ट

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। न्यूयॉर्क सिटी के यूनियन स्क्वायर पार्क में अश्वेत अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड के सम्मान में बनाई गई प्रतिमा को रविवार को विरूपित किया गया। पुलिस ने बताया कि एक वीडियो में दिख रहा है कि स्केटबोर्ड पर आए एक अज्ञात व्यक्ति ने सुबह करीब 10 बजे प्रतिमा पर पेंट फेंका और इसके बाद वह फरार हो गया। पुलिस ने वीडियो जारी नहीं किया है। दिवंगत सांसद जॉन लुइस और पिछले साल पुलिस की कार्रवाई में मारी गई केंटुकी के लुइसविले की ब्रेओन्ना टेलर की पास ही स्थापित प्रतिमाओं को स्पष्ट रूप से छुआ नहीं गया। फ्लॉयड की याद में बनाई गई प्रतिमा को विरूपित करने की घटना पहली बार नहीं हुई है। इस प्रतिमा के अनावरण के पांच दिन बाद ही इस पर काला पेंट फेंका गया था और उस पर श्वेतों को सर्वोच्च मानने वाले एक समूह का कथित चिह्न भी लगाया गया था। मिनियापोलिस में पुलिस की कार्रवाई में फ्लॉयड की मौत होने के कारण देशभर में नस्ली भेदभाव को लेकर आंदोलन हुआ था।

भारतीय मूल के आठ अमेरिकियों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया

वाशिंगटन। भारतीय मूल के प्रख्यात अमेरिकियों को वर्जीनिया राज्य के 'चैप्टर ऑफ द ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन ऑफ पीपुल ऑफ इंडियन ओरिजिन'(जीओपीआईओ) ने सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए रविवार को सम्मानित किया। डॉ. वीके राजू को चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए, डॉ. विक्रम राया को उद्यमिता के क्षेत्र में, राम बी गुप्ता को शिक्षा, कोरक रे को नवाचार और अनुसंधान में,इंद्रजीत एस सलूजा को पत्रकारिता के क्षेत्र में, नीलिमा मेहरा को मीडिया में , विनीता तिवारी को कला और संस्कृति के क्षेत्र में तथा जेनेथा रेड्डी को अधिकार कार्यों और पारोपकारी कार्यों में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

अरब क्षेत्र में हिंसा पर अंकुश लगाने के लिये सेना और सुरक्षा एजेसियों की भर्ती : इजराइल

यरूशलम। इजराइल सरकार ने रविवार को कहा कि देश के अरब क्षेत्र में हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए सेना एवं शीन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी की भर्ती की जा रही है। देश में अरब अल्संख्यक हाल के वर्षों में हिंसक अपराध से प्रभावित हुये हैं, और हत्या दर देश की आबादी में उनके प्रतिशत से कहीं अधिक है। विशेष मंत्री समिति बैठक को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि हिंसा अब चरम पर पहुंच गयी है और उनकी सरकार इसे गंभीरता पूर्वक ले रही है।

पंडोरा पेपर : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी लोगों समेत 700 से अधिक लोगों के नाम

नई दिल्ली। पाकिस्तान केप्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी लोगों और कुछ मंत्रियों समेत 700 से अधिक लोगों के नाम पंडोरा पेपर मामले में सामने आए हैं। पंडोरा पेपर में विश्व भर में उच्च पदों पर आसीन लोगों के गुप्त वित्तीय लेन-देन का खुलासा किया गया है। टेलीविजन समाचार चैनल जियो न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) ने रविवार को 'पंडोरा पेपर' का खुलासा किया, जिसके अनुसार वित्त मंत्री शौकत तारिन, जल संसाधन मंत्री मूनिस इलाही, सांसद फैसल वावड़ा, उद्योग और उत्पादन मंत्री खुसरो बख्तियार के परिवार समेत अन्य लोगों के विदेशी कंपनियों से लेन-देन के संबंध थे। इस मामले में कुछ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों, व्यवसायियों और मीडिया कंपनी के मालिकों के नाम भी सामने आए हैं।

मनीला मेयर आधिकारिक तौर पर 2022 की राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल

मनीला। मनीला के मेयर फ्रांसिस्को डोमागोसो ने सोमवार को फिलीपींस में मई 2022 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारी का प्रमाण पत्र दाखिल किया। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, 46 वर्षीय डोमागोसो अपने सेलिब्रिटी उपनाम इस्को मोरेनो के नाम से लोकप्रिय हैं और उनके चल रहे साथी विली ओंग, जो फेसबुक पर 1.6 करोड़ से अधिक अनुयायियों के साथ एक डॉक्टर हैं ने चुनाव आयोग में उम्मीदवारी का प्रमाण पत्र दाखिल किया। फिलीपीन की राजधानी के मेयर राजनीतिक दल अक्स्योन डेमोक्रेटिको के अधीन चलेंगे, जिसके वे अध्यक्ष हैं। पल्स एशिया द्वारा हाल ही में प्रकाशित एक सर्वेक्षण के अनुसार, फिलिपिनो उत्तरदाताओं में से 13 प्रतिशत ने संभावित राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में डोमागोसो के लिए समर्थन व्यक्त किया। 1 अक्टूबर को, फिलिपिनो बॉक्सिंग आइकन और सीनेटर मैनी पैकक्विओ अपना आधिकारिक प्रमाण पत्र दाखिल करने वाले पहले उम्मीदवार बन गए, जिसके कुछ ही दिनों बाद उन्होंने बॉक्सिंग से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की। 9 मई, 2022 के चुनाव राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, 24 सदस्यीय सीनेट के आधे, प्रतिनिधि सभा के सदस्यों और अन्य स्थानीय अधिकारियों का चुनाव करेंगे।

ताइवान के खिलाफ ड्रैगन का हवाई अटैक प्लान, भड़के अमेरिका ने दी वॉर्निंग

कोलंबो। (एजेंसी)।

ताइवान और चीन के बीच दशकों से तनाव है। चीन जबरन तरीके से ताइवान पर कब्जा करना चाहता है, ये हकीकत भी पूरी दुनिया को पता है। जिस तरीके से एक छोटे से मुल्क को चीन डराने धमकाने में लगा है वो हैरान करने वाला है। पिछले एक साल से ड्रैगन की सेना ताइवान के इलाके में घुसपैठ कर रही है। चाहो वो जमीन पर हो समुंदर में हो या आसमान में लगातार तीनों फ्रंट से ड्रैगन की उकसावे वाली हरकतें सामने आई है। लेकिन अब ताइवान के आसमान में ऐसा हुआ जिसकी वजह से पूरे मुल्क में खलबली मच गई है। एक साथ 39 लड़ाकू विमान ताइवान के एयर स्पेस में दाखिल हुए। वो भी बम, गोला-बारूद और मिसाइलों के साथ।

ताइपे के एयरजोन में दंगी प्लेन

पूरी प्लानिंग के साथ ड्रैगन की हवाई सेना ने ताइवान के हवाई स्पेस में घुसपैठ की वो भी खुलेआम। ताइवान की सेंट्रल न्यूज एजेंसी की मानें तो चीनी फाइटर पायलट्स ने पीएलए ईस्टर्न थियेटक कमांड से मिले ऑर्डर के बाद घुसपैठ में अपने सबसे विस्फोटक घातकआसमानी लड़ाकों के साथ घुसपैठ की। जिन चीनी विमानों ने ताइवान में एंट्री ली थी उनमें से ज्यादातर की पहचान जे-17 और सू-30 फाइटर जेट के रूप में की गई।

अमेरिका की चेतावनी

अब इस मामले पर अमेरिका भी भड़क गया है और उसने चीन को चेतावनी दे दी है। अमेरिका ने इस मामले पर चीन से उसकी उकसाने वाली सैन्य गतिविधियों को रोकने के लिए कहा है। अमेरिका ने अपने बयान में कहा कि हम बीजिंग से अपील करते हैं कि वह ताइवान पर सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक दबाव और दंडात्मक कार्रवाई रोके।

चीन-ताइवान विवाद

गृह युद्ध के पश्चात 1949 के दौर में चीन और ताइवान दोनों अलग हो गए थे। एक तरफ जहां कम्युनिस्ट समर्थकों ने चीन पर शासन किया वहीं उसके विपरीत नेशनलिस्ट समर्थकों ने ताइवान की बागडोर संभाली। ताइवान चीन के पूर्वी तट से 160 किलोमीटर दूर है और उसकी आबादी 2.40 करोड़ है। चीन पिछले एक साल से अधिक समय से ताइवान के दक्षिण में लगातार सैन्य विमान भेज रहा है।

जापान की संसद का विशेष सत्र, फुमिओ किशिदा को चुना जाएगा नया पीएम

तोक्यो। जापान की संसद ने पूर्व विदेश मंत्री फुमिओ किशिदा को सोमवार को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। किशिदा योशिहिदे सुगा का स्थान लेंगे। सुगा और उनकी कैबिनेट ने दिन की शुरुआत में इस्तीफा दे दिया था। किशिदा और उनकी कैबिनेट के सदस्य दिन में बाद में शपथ ग्रहण करेंगे। किशिदा पर आसन्न राष्ट्रीय चुनाव से पहले कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और सुरक्षा चुनौतियों से तेजी से निपटने की चुनौती है। जापान के पूर्व विदेश मंत्री किशिदा ने सत्तारूढ़ पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पद का चुनाव पिछले सप्ताह जीत लिया था।

आत्मघाती कार बम विस्फोट हुआ विफल, इराकी प्रधानमंत्री ने सुरक्षा सदस्य को किया सम्मानित

बगदाद (एजेंसी)।

सेना ने बताया कि इराकी प्रधान मंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने पश्चिमी प्रांत अनबर में एक आत्मघाती कार बम विस्फोट को विफल करने वाले एक सुरक्षा सदस्य को सम्मानित किया है। समाचार एजेंसी ने रविवार को जारी इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड (खडउ) के मीडिया कार्यालय द्वारा दिए गए एक बयान के हवाले से कहा कि अल-कदीमी ने हामिद शुएब अब्दुल्ला को एक उच्च सैन्य रैंक में पदोन्नत करने और कार बम का सामना करने के लिए उनके साहस के लिए वित्तीय इनाम देने का आदेश दिया है। इससे पहले दिन में, जेओसी ने एक बयान में कहा कि एक आत्मघाती हमलावर ने बगदाद से लगभग 160 किलोमीटर पश्चिम में रमादी में अपनी कार बम विस्फोट किया था, जब सुरक्षा बलों ने उस पर मानवों को हताहत किए बिना गोलियां चलाईं थी।

हालांकि, एक प्रांतीय सुरक्षा सूत्र ने गुमनाम रूप से सिन्हुआ को बताया कि भीषण विस्फोट में आत्मघाती हमलावर की मौत हो गई और पांच नागरिक घटनास्थल पर ही घायल हो गए थे। पिछले कुछ महीनों में, इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों ने इराकी सुरक्षा बलों पर उन प्रांतों में हमले तेज कर दिए हैं जिन पर समूह पहले से नियंत्रण कर रहा था, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए। 2017 में आईएस को हराने के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि, आईएस के अवशेष सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार हमले करते रहे हैं।

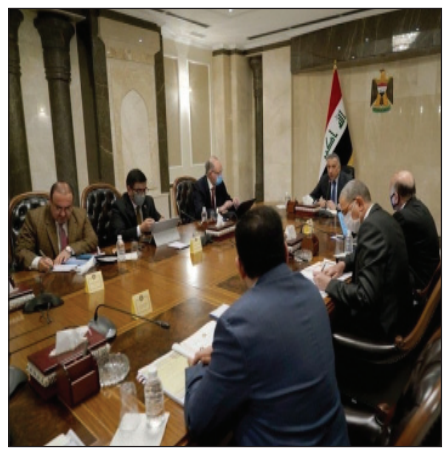

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने खटखटाया आईएमएफ का दरवाजा, 6 अरब डॉलर की मांग रहा भीख

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आर्थिक तंगी से गुजर रहा पाकिस्तान अपने हालात को सुधारने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के साथ आने वाले आगामी हफ्तों में बातचीत शुरू करने वाली है। मीडिया की खबरों ने इसकी जानकारी दी है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, पांच दिनों की यह बैठक 4 अक्टूबर से शुरू होगी और इस वर्चुअल वार्ता में आईएमएफ की टीम दोहा और कतर से शामिल होगी। अगर पाकिस्तान की ढ्रस्त्र के साथ बैठक सफल हुई तो पाक को तत्काल एक अरब डॉलर का और कर्ज देगा।

पाकिस्तान और आईएमएफ का करार

आपको बता दें कि पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच जुलाई 2019 में 6 अरब डॉलर के लोन के लिए करार किया था। जून से अगस्त तक दोनों पक्षों के बीच कोई गंभीर चर्चा नहीं हुई। सूत्रों ने कहा कि वित्त मंत्री शौकत तारिन 15 अक्टूबर को वाशिंगटन में शीर्ष आईएमएफ प्रबंधन के साथ आमने-सामने की बैठक करेंगे। पाकिस्तान से जुड़ी एक खबर सामने आ रही है जिसके तहत यूरोपीय संघ ने पाकिस्तानी चावल की एक खेप को खारिज कर दिया है।एक रिपोर्ट के मुताबिक, 30 सितंबर से पाकिस्तानी अकाउंट्स ने भारतीय खाद्य उत्पादों का बहिष्कार कर भारत को बदनाम करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के इस नापाक चाल के तहत भारतीयों व्यवसाय का बहिष्कार करना आर्थिक पहलू के साथ जुड़ा हुआ है।

बदख्शां में 600 विस्थापित अफगान नागरिक अपने घर लौटे

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान के अधिग्रहण से पहले के महीनों में भीषण लड़ाई से विस्थापित हुए करीब 600 अफगान नागरिक अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र से उत्तरी बदख्शां प्रांत में अपने घरों को लौट गए हैं।

प्रांतीय गवर्नर मौलवी अमानुद्दीन मंसूर ने सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंसूर ने कहा कि 15 अगस्त को तालिबान के राजधानी काबुल के अधिग्रहण से पहले संघर्ष के दौरान वापसी करने वाले लोग विस्थापित हो गए थे। उन्होंने कहा, वे खुले मैदान में विकट स्थिति में रह रहे थे। प्रांतीय अधिकारियों द्वारा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद वे वापस लौटे हैं। गवर्नर के अनुसार, पर्वतीय क्षेत्र में सभी विस्थापित लोगों को जल्द से जल्द अपने गांवों में लौटने में मदद करने के प्रयास चल रहे हैं, क्योंकि सर्दी शुरू होने वाली है। इस प्रांत पर 10 अगस्त को तालिबान का कब्जा हो गया था। पिछले महीने के अंत में, मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि अफगानिस्तान में इस साल 6,35,000 से अधिक लोगों को मजबूरी में हिंसा के कारण अपना घर छोड़ना पड़ा है, जिसमें 12,000 से अधिक लोग काबुल में विस्थापित हुए हैं।

विदेश सचिव हर्षवर्धन ने श्रीलंकाई पीएम महिंदा राजपक्षे के साथ सकारात्मक वार्ता की

कोलंबो। (एजेंसी)।

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने सोमवार को श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से मुलाकात की और उनसे बहुआयामी द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने पर 'सकारात्मक वार्ता' की। श्रृंगला चार दिन की यात्रा पर शनिवार को श्रीलंका पहुंचे। वह राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे से भी मुलाकात कर सकते हैं और भारत तथा श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा कर सकते हैं। यहां भारतीय उच्चायोग ने बैठक की तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने आज प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से मुलाकात की और भारत-श्रीलंका साझेदारी को और मजबूत करने पर सकारात्मक वार्ता की।'' विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार श्रृंगला ने कहा, ''कुछ समय पहले ही मैंने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के साथ बहुत सकारात्मक वार्ता की।

वह भारत के प्रगाढ़ मित्र हैं और भारत-श्रीलंका साझेदारी को गहन करने के लिए समर्थन का सतत स्रोत हैं।'' विदेश सचिव ने कहा कि वह राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे से अपनी मुलाकात को लेकर उत्सुक हैं। महिंदा राजपक्षे ने ट्वीट कर श्रृंगला से मुलाकात पर प्रसन्नता जताई। श्रीलंकाई प्रधानमंत्री ने कहा, ''श्रीलंका की सरकार दोनों देशों को परस्पर लाभ पहुंचाने के लिए हमारे पहले से मजबूत संबंधों को और सुदृढ़ करने के लिहाज से भारत सरकार के साथ काम करने को लेकर आशान्वित है।'' श्रृंगला ने महात्मा गांधी की 152वीं जयंती के अवसर पर कोलंबो स्थित टेंपल ट्रीज में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''महात्मा गांधी की 152वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीलंका के विदेश मंत्री प्रोफेसर जी एल पेइरिस, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, भारत के उच्चायुक्त और अन्य गणमान्यों ने टैंपल ट्रीज में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।'' श्रृंगला ने रविवार को श्रीलंका के तमिल बहुल उत्तरी प्रांत में जाफना के पलानी हवाई अड्डे का निरीक्षण किया था जहां भारत की सहायता से किये जा रहे विकास कार्यों पर अधिकारियों ने उन्हें जानकारी दी।

पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरा, उसका बायकॉट करना होगा- बेल्जियम के सांसद का बड़ा बयान

कोलंबो। (एजेंसी)।

ओसामा बिन लादेन जैसे आंतकी को पनाह देने वाला पाकिस्तान आतंकवाद को सपोर्ट करता है इस बात से तो पूरी दुनिया ही वाकिफ है और अब तो नौबत ऐसी है कि तालिबान का सपोर्ट करने के चक्कर में पाकस्तान अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार चुका है। अफगानिस्तान में तालिबानी हुकुमत का समर्थन करने वाले पाकिस्तान का अब कई देश खुलकर विरोध कर रहे हैं।हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने लंदन दौरे पर आए थे जहां उनका जमकर विरोध हुआ। वहीं बेल्जियम देश भी पाकिस्तान का खुलेआम विरोध करता नजर आ रहा है। उत्तरी यूरोप के देश बेल्जियम ने पाकिस्तान को आतंकियों का समर्थन करने वाला देश करार दिया है। एक खबर के मुताबिक,बेल्जियम के प्रेस क्लब में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें बेल्जियम के सांसद फिलिप डेविन्टर ने खुलेआम पाकिस्तान को आतंकी देश बताया और पाक के हरकतों पर चिंता भी जाहिर की।

पाकिस्तान का करें बायकॉट!

बेल्जियम के सांसद फिलिप डेविन्टर ने आतंकियों का समर्थन करने वाले पाकिस्तान के साथ रिश्ता नहीं रखने को कहा है। उन्होनें कहा कि, तालिबान की तरह पाकिस्तान भी दुनिया के लिए एक खतरा है। फिलिप डेविन्टर ने यूरोपियन यूनियन की राजनीतिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आगे कहा कि, पाकिस्तान पूरे क्षेत्र को अशांत करने की कोशिश में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि, पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो हमेशा से अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को बढ़ावा देता है और आगे भी देता आएगा। उन्होंने दुनियाभर के देशों से पाकिस्तान को बायकॉट करने के लिए कहा है।

मिसाइल परीक्षणों के बावजूद दोनों कोरियाई देशों ने बहाल की हॉटलाइन, क्या सुधरेंगे हालात

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया ने कई सप्ताह से ठप पड़ी संचार 'हॉटलाइन' को सोमवार को फिर बहाल कर दिया। उत्तर कोरिया ने हाल ही में कई मिसाइल परीक्षण करने के साथ ही उत्तर कोरिया के साथ 'हॉटलाइन' बहाल करने की इच्छा जाहिर की थी। सियोल के एकीकरण मंत्रालय ने बताया कि दोनों कोरियाई देशों के सम्पर्क अधिकारियों ने सोमवार सुबह सीमा पार संचार चैनल पर संदेशों का आदान-प्रदान किया। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय द्वारा जारी वीडियो के अनुसार, सियोल के अधिकारी ने एक चैनल पर अपने उत्तर कोरियाई समकक्ष के साथ फोन पर बातचीत के दौरान कहा, '' लंबे समय से कोई बातचीत नहीं हुई थी। हम खुश हैं कि हमारे संचार चैनल इस तरह बहाल हुए। हम उम्मीद कर रहे हैं कि दक्षिण और उत्तर कोरिया के बीच संबंध नए स्तर पर विकसित होंगे।''

वीडियो में उत्तर कोरिया की ओर से कोई वक्तव्य नहीं था। सियोल के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक अलग सैन्य चैनल पर, दोनों कोरियाई देशों ने अपनी विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा के पास मछली पकड़ने की गतिविधियों के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान किया, जहां पिछले वर्षों में कई अंतर-कोरियाई हिंसक नौसैनिक युद्ध हुए हैं। इन गतिविधियों को रोकने के लिए जानकारियों का आदान-प्रदान किया गया। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि दोनों कोरियाई देश अपनी तनावपूर्ण सीमा पर अन्य संचार माध्यमों को भी सोमवार को बहाल कर देंगे, क्योंकि दोनों ने पूर्व में ऐसे इरादे जाहिर किए हैं। फोन और फैक्स माध्यम भी एक वर्ष से अधिक समय से निष्क्रिय हैं, जिनका इस्तेमाल प्रतिद्वंद्वी कोरिया बैठकें करने, सीमा पार करने की व्यवस्था करने और आकस्मिक झड़पों से बचने के लिए करते हैं। गर्मियों में संचार को लगभग दो सप्ताह के लिए संक्षिप्त रूप से बहाल किया गया था, लेकिन दक्षिण कोरिया के अमेरिका के साथ वार्षिक सैन्य अभ्यास शुरू करने के बाद उत्तर कोरिया ने संदेशों का आदान-प्रदान करने से इनकार कर दिया।

इस वार्षिक सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया युद्ध का पूर्वाभ्यास करार देता है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने शांति स्थापित करने के लिए अक्टूबर के शुरू में दक्षिण कोरिया के साथ 'हॉटलाइन' बहाल करने की इच्छा पिछले सप्ताह व्यक्त की थी, लेकिन उन्होंने वार्ता के अमेरिकी प्रस्ताव को यह कहकर फिर से ठुकरा दिया था कि यह उत्तर कोरिया के खिलाफ शत्रुता को छुपाने का अमेरिका का ''कुटिल तरीका'' है। उन्होंने एक बार फिर दक्षिण कोरिया से उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों और अन्य घटनाक्रम के लिए अपने ''दोहरे व्यवहार के दृष्टिकोण'' और ''शत्रुतापूर्ण नजरिए'' को छोड़ने की मांग की। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि वह अमेरिका को आर्थिक प्रतिबंधो में ढील और अन्य रियायतें देने के लिए राजी कर पाए। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने 'हॉटलाइन' बहाल होने से पहले कहा था, '' दक्षिण कोरियाई अधिकारियों को उत्तर-दक्षिण संबंधों को सही रास्ते पर लाने के लिए सकारात्मक प्रयास करने चाहिए और संचार लाइनों की बहाली को ध्यान में रखते हुए, भविष्य में उज्ज्वल संभावनाओं के मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्राथमिकता वाले महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करना चाहिए।

सार समाचार

कोलकाता की एक इमारत में लगी भीषण आग, घटनास्थल पर पहुंची दमकल की 14 गाड़ियां

कोलकाता।कोलकाता के भीड़भाड़ वाले कोलूटोला इलाके में सोमवार कीसुबह एक चार मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग तीसरी मंजिल पर पूर्वाह्न करीब 11 बजे लगी और इसमें किसी के झुलसने की खबर नहीं है। आग बुझाने के लिए दमकल के 14 वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत के उन कमरों में बड़ी मात्रा में कपड़े रखे थे और दो परिवार वहां रहते हैं। हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने की एक टीम और आपदा प्रबंधन विभाग भी बचाव अभियान में शामिल है। अधिकारी ने बताया, ''हमारी कोशिशें जारी हैं। इमारत के अंदर ज्वलनशील सामग्री भी रखी है।'' अभी आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है।

तमिलनाडु में हत्यारे बाघ की खोज में जुटी वन विभाग की टीम

चेन्नई। एमडीटी 23 कोडनेम एमडीटी 23 के हत्यारे बाघ का पता लगाने और उसका शिकार करने के लिए खोज में जुटी वन तलाशी टीम ने अब तमिलनाडु के मसीनागुडी और सिंगारा इलाकों में अपनी खोज बढ़ा दी है। हत्यारे बाघ को ट्रैक करने के लिए दो कुमकी हाथियों को सेवा में लगाया गया है। वन क्षेत्रों में फैली टास्क फोर्स में हाथी, उदयन और श्रीनिवास फिर से शामिल हो गए हैं। मुख्य वन्यजीव वार्डन, तमिलनाडु, शेखर कुमार नीरज ने शनिवार को गुडलुर में वन क्षेत्र की सीमा से लगे गांव के इलाकों में चार पुरुषों और 12 मवेशियों की मौत के बाद स्थानीय लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन के बाद बाघ को मारने का आदेश दिया था। वन अधिकारियों के अनुसार, बाघ स्वस्थ नहीं है और इसलिए वह जंगल में अपने शिकार का शिकार करने में सक्षम नहीं है और उसने अपने शिकार को आसानी से खोजने के लिए मानव बस्तियों में जाने की आदत बना ली है। बाघ अब तक चार आदमियों को मार चुका है। तलाशी टीम में शामिल वन अधिकारियों ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, बाघ भूखा है और हमारी जानकारी के अनुसार उसने पिछले बहत्तर घंटों से खाना नहीं खाया है और निश्चित रूप से बाहर निकल जाएगा। तमिलनाडु वन विभाग के लगभग 60 वन कर्मी और केरल वन विभाग के टाइगर ट्रैकर पिछले कुछ दिनों से बाघ का शिकार करने के लिए अभियान में हैं, लेकिन बाघ नहीं मिल रहा है।

उत्तर कर्नाटक में बार-बार भूकंप की सूचना के लिए अध्ययन पैनल स्थापित करेगी सरकार

विजयपुरा (कर्नाटक)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के दो अलग-अलग हिस्सों में पिछले 48 घंटों में 2.7 तीव्रता से कम या रिक्टर पैमाने पर भूकंप की सूचना मिली है, जिससे लोगों में दहशत फैल गई है। स्थानीय लोग आशंकित और घबराए हुए हैं क्योंकि उन्होंने एक महीने में पांच बार भूकंप का अनुभव किया है। लोगों ने पृथ्वी से निकलने वाली तेज आवाजों की भी सूचना दी और जब भी वे इन्हें सुनते हैं, वे अपने घरों के बाहर दौड़ पड़ते हैं। जानकारों का कहना है कि दक्षिण भारतीय प्लेटों के उत्तर भारत की ओर बढ़ने से लगातार झटके आ रहे हैं। इस बीच, राज्य सरकार गहन अध्ययन के लिए एक उपसमिति का गठन कर सकती है। पिछले 7 दिनों के दौरान, विजयपुरा में 3.1 और दो की तीव्रता 2.0 और 3.0 के बीच भूकंप आए हैं। सबसे बड़ा भूकंप बीजापुर शहर के दक्षिण में 1 अक्टूबर को और सबसे हाल ही में 2 अक्टूबर को 2.3 तीव्रता के साथ दर्ज किया गया था।

यदि मृत्यु प्रमाण पत्र में कोविड का उल्लेख नहीं है तो 50 हजार रुपये की सहायता राशि से इनकार नहीं किया जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वे कोविड-19 से मरने वालों के परिवार के सदस्यों को 50,000 रुपये का भुगतान करने के लिए केंद्र के दिशानिर्देशों का पालन करें और सहायता राशि के लिए आवेदन करने के 30 दिनों के भीतर भुगतान करें। पीठ ने साथ ही सरकार को इस स्कीम का व्यापक प्रचार करने के लिए भी कहा। न्यायमूर्ति एमआर शाह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि किसी भी राज्य सरकार को इस आधार पर 50,000 रुपये के लाभ से इनकार नहीं करना चाहिए कि मृत्यु प्रमाण पत्र पर मृत्यु का कारण कोविड -19 नहीं अंकित है और जिला अधिकारियों को मृत्यु के कारण को ठीक करने के लिए उपचारात्मक कदम उठाने चाहिए। पीठ में न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि आदेश की तारीख के बाद होने वाली मौतों के लिए अनुग्रह सहायता प्रदान की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि शिकायत निवारण समिति मृतक मरीज के मेडिकल रिकॉर्ड की जांच कर सकती है और मुआवजे पर 30 दिनों के भीतर फैसला ले सकती है। ऐसे मामलों में जहां मृत्यु प्रमाण पत्र पहले ही जारी किए जा चुके हैं और परिवार के सदस्य उन पर उल्लिखित मृत्यु के कारण से परेशान हैं, तो वे समिति से संपर्क कर सकते हैं और प्रमाण पत्र में संशोधन के लिए दस्तावेज जमा कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने किया भूपेश बघेल और रंधावा का विमान लखनऊ में नहीं उतरने देने का अनुरोध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को पत्र लिखकर लखीमपुर खीरी जाने के लिए लखनऊ आ रहे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंजाब के उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा को स्थानीय चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति नहीं देने का अनुरोध किया है। प्रदेश के गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने प्राधिकरण को रविवार देर रात लिखे पत्र में कहा है कि लखीमपुर खीरी जिले में रविवार को हुए संघर्ष की घटना के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन ने धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है।

किसान संगठन पर सुप्रीम कोर्ट का फूटा गुस्सा, कहा- तीनों कृषि कानूनों पर रोक लगा दी गई तो किसके खिलाफ विरोध?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि जब तीनों कृषि कानूनों पर रोक लगा दी गई है, तो किसान संगठन किसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि कानूनों की वैधता को न्यायालय में चुनौती देने के बाद ऐसे विरोध प्रदर्शन करने का सवाल ही कहां उठता है। अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने रविवार की लखीमपुर खीरी घटना का जिक्र किया, जिसमें आठ लोग मारे गए थे। इस पर उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऐसी कोई घटना होने पर कोई इसकी जिम्मेदारी नहीं लेता। वहीं, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कोई मामला जब सर्वोच्च संवैधानिक अदालत के समक्ष होता है, तोउसी मुद्दे को लेकर कोई भी सड़क पर नहीं उतर सकता। शीर्ष अदालत तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में एक किसान संगठन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें यहां जंतर मंतर पर 'सत्याग्रह' करने की अनुमति देने का प्राधिकारियां को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत कृषकों के संगठन 'किसान महापंचायत' और उसके अध्यक्ष की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण एवं गैर-हिंसक 'सत्याग्रह' के आयोजन के लिए कम से कम 200 किसानों के लिए जगह उपलब्ध कराने का निर्देश देने का अनुरोध भी किया गया था। पीठ ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 21 अक्टूबर की तारीख तय की है। पीठ ने तीन कृषि कानूनों की वैधता को चुनौती देते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय में दायर किसान संगठन की याचिका भी अपने यहां स्थानांतरित कर लिया। कई किसान संगठन तीन कानूनों - किसान उत्पाद व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, 2020, आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम, 2020 और मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा अधिनियम, 2020 पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता, 2020 के पारित होने का विरोध कर रहे हैं। इन कानूनों का विरोध पिछले साल नवंबर में पंजाब से शुरू हुआ था, लेकिन बाद में मुख्य रूप से दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैल गया।

असम में विधानसभा उपचुनावों के लिए बीजेपी ने घोषित किए तीन उम्मीदवार

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम विधानसभा की पांच सीटों पर होने वाले उपचुनाव के मद्देनजर सोमवार को तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी ने उन विधायकों को ही अपना उम्मीदवार बनाया है जिन्होंने पिछला चुनाव जीतने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया था और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उपचुनाव 30 अक्टूबर को होंगे। मतगणना दो नवंबर को होगी। पार्टी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्य की भवानीपुर सीट से फणिधर तालुकदार, मारियानी से रूपज्योति कुर्मी और थोवरा से सुशांत बोरगोहेन भाजपा के उम्मीदवार होंगे। कुर्मी और बोरगोहेन ने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जबकि तालुकदार ने ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के टिकट पर जीत दर्ज की थी। तीनों नेताओं ने भाजपा का दामन थामने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। विपक्षी दलों के विधायकों को भाजपा में शामिल कराकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहते हैं। इसी प्रयास के तहत तीनों विपक्षी विधायकों को उन्होंने पार्टी में शामिल कराया। इन तीनों सीटों के अलावा राज्य के बीटीआर क्षेत्र के गोसाईगांव और तमुलपुर सीट पर भी उपचुनाव होने हैं। गोसाईगांव से मौजूदा विधायक मजेंद्र नारजारी और तमुलपुर से लेहो राम बोरो की कोविड-19 से मौत होने के कारण इन सीटों पर उप चुनाव कराया जा रहा है।

लखीमपुर हिंसा मामले की कराई जाएगी न्यायिक जांच, मृतक के परिजनों को दिए जाएंगे 45 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा में 8 लोगों की मौत की खबर है इनमें 4 किसान भी हैं। इन सबके पर उत्तर प्रदेश सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि सरकार जिन 4 किसानों की हिंसा में मौत हुई है उनके परिवार को 45 लाख देगी। साथ ही साथ एक सदस्य को नौकरी भी दी जाएगी। घायलों को 10 लाख दिए जाएंगे। किसानों की शिकायत के आधार पर एफ आई आर दर्ज की जाएगी। हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज इस मामले की जांच करेंगे।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि सीआरपीसी की धारा 144 लागू होने के कारण राजनीतिक दलों के नेताओं को लखीमपुर दौरान नहीं करने दिया गया है। हालांकि किसान संघों के कुछ सदस्यों को यहां आने की अनुमति दी गई है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख प्रकट किया है और कहा है कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस घटना के कारणों की तह में जाएगी और इसमें शामिल तत्वों को बेनकाब करेगी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करेगी। इसके साथ ही मौके पर शासन द्वारा अपर मुख्य सचिव नियुक्ति, कार्मिक एवं कृषि, एडीजी कानून व्यवस्था, आयुक्त लखनऊ तथा आईजी लखनऊ मौजूद हैं तथा स्थिति को नियंत्रण में रखते हुए घटना के कारणों की गहराई से जांच कर रहे हैं।

सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि घटना में लिप्त जो भी जिम्मेदार होगा, सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेगी। क्षेत्र के सभी लोगों से अपील है कि वे अपने घरों पर ही रहे और किसी के बहकावे में ना आएं। साथ ही साथ मौके पर शांति व्यवस्था कायम रखने में अपना योगदान दें। किसी प्रकार के निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले मौके पर हो रही जांच तथा कार्यवाही का इंतजार करें।

लखीमपुर की घटना पर भाकपा का विरोध, आईटीओ पर यातायात प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के नेताओं के एक समूह ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में रविवार को कथित तौर पर मारे गए किसानों को अपना समर्थन देने के लिए सोमवार को दिल्ली में आईटीओ जंक्शन पर विरोध मार्च निकाला। भाकपा के वरिष्ठ नेता- पूर्व राज्यसभा सांसद डी. राजा और महासचिव अतुल अंजान सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे आईटीओ जंक्शन पर धरने पर बैठ गए।

विरोध के चलते आईटीओ से प्रगति मैदान और मंडी हाउस तक वाहनों की आवाजाही करीब 30 मिनट तक ठप रही। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को राजा और अन्य भाकपा नेताओं से अनुरोध करते हुए देखा गया कि विरोध प्रदर्शन के कारण आईटीओ जंक्शन पर ट्रैफिक जाम हो गया। भाकपा नेताओं द्वारा जगह छोड़ने और यातायात की आवाजाही की अनुमति देने से इनकार करने के बाद, दिल्ली पुलिस ने इलाके में धारा 144 लागू कर दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने घोषणा करते हुए सुना, आईटीओ और आसपास के इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई है। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि वह जगह छोड़ दें और यातायात की आवाजाही की अनुमति दें। बाद में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया और उन्हें दूसरी जगह ले जाया गया, जिसके बाद आईटीओ जंक्शन पर यातायात फिर से शुरू हो सका।

इस बीच, बात करते हुए अतुल अंजान ने कहा, रविवार को लखीमपुर खीरी में जो हुआ वह स्वीकार्य नहीं है। यह केंद्र द्वारा बनाए गए कठोर कानूनों का विरोध कर रहे किसानों की हत्या का स्पष्ट मामला है। हम केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा और उनके बेटे आशीष मिश्रा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी लखीमपुर खीरी जाना चाहते हैं, यूपी सरकार को लिखा पत्र

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब नागरिक उड्डयन विभाग ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार से पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के हेलीकॉप्टर को उतरने की अनुमति देने का आग्रह किया ताकि वह लखीमपुर खीरी जा सकें, जहां एक दिन पहले किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में आठ लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की लखीमपुर यात्रा से पहले रविवार को हुई इस घटना में मृतकों में किसान और भाजपा कार्यकर्ता शामिल हैं।

पंजाब के नागरिक उड्डयन विभाग के निदेशक ने उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी को पत्र लिखकर कहा, ''जैसा आप जानते हैं कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे किसानों की मौत और उससे उत्पन्न स्थितियों के मद्देनजर मुख्यमंत्री इस दुख की घड़ी में संबंधित किसानों के परिवारों से मिलना चाहते हैं।'' विभाग ने कहा, '' आग्रह किया जाता है कि मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर को उतरने और फिर वहां से रवाना होने की मंजूरी दी जाए।

यह भी अनुरोध है कि पर्याप्त व्यवस्था की जाए ताकि मुख्यमंत्री संबंधित किसानों के परिवारों से मिल सकें।'' इससे पहले पंजाब के उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी कहा था कि वह हालात का जायजा लेने लखीमपुर खीरी जाएंगे।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा भाजपा के आईटी सेल उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया , कांग्रेस पार्टी हमेशा से कर्मचारी हितैशी रही है

शिमला। (एजेंसी)।

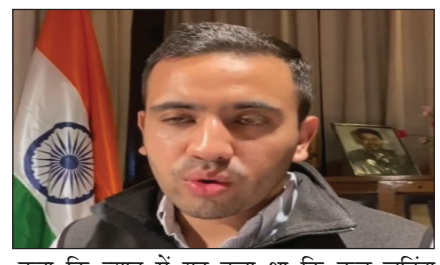

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के महासचिव व शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह ने कहा भाजपा के आईटी सेल उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी हमेशा से कर्मचारी हितैशी रही है। अनुबंध कर्मचारियों के लिए अनुबंध का समय अवधि को कम करना हो या फिर एसएमसी, पैरा शिक्षक, पैट शिक्षकों के लिए नीति बनाने का काम हो यह पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के समय में हुआ है। कांग्रेस सरकार ने हर वर्ग को राहत दी है।

उनके ब्यान को भाजपा आईटी सैल द्वारा तोड़ मरोड़ कर पेश करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह भाजपा की ओच्छी मानसिकता को दर्शता है। उन्होंने कहा कि इससे वह इससे डरने वाले नहीं है। वह हमेशा से शिक्षक, प्रोफेसर, अधिकारी और कर्मचारियों का सम्मान करते हैं और उनके साथ है। भाजपा को चुनौती देते हुए विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि झूठे प्रोपोगैंडा से डरने वाले नहीं है। यह झूठा प्रोपोगैंडा मंहगाई, बेरोजगारी सहित जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है। प्रदेश के आम लोगों युवाओं, कर्मचारियों के साथ हैं और उनके हक की आवाज को हमेशा उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ब्यान में यह कहा था कि कुछ चुनिंदा कर्मचारी भाजपा के पिट्ठू बने हुए हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हमने कहा था कि जो चुनिंदा कर्मचारी भाजपा के पिट्ठू बने हुए हैं और राजनैतिक द्वेश की भावना से काम कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारी प्रदेश के लोगों की सेवा के लिए होते हैं न कि राजनीति पार्टियों के लिए। दरअसल, एक जनसभा के मंच पर आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि प्रदेश के ऐसे कर्मचारी, अधिकारी और शिक्षक जो राजनैतिक द्वेश की भावना से काम कर रहे हैं उन्हें पटक-पटक कर दूसरे कोने में ट्रांसफर किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि कई कर्मचारी, अध्यापक और अधिकारी 20-20 का मैच खेल रहे हैं। प्रदेश में भाजपा की सरकार है। यह सोचकर उनके नेताओं का गुणगान कर अपनी ट्रांसफर रुकवाने में लगे हुए हैं।

अमीर-गरीब की खाई को दूर कर रही है मोदी सरकार: अनुराग सिंह ठाकुर, केंद्रीय मंत्री ने नादौन विधानसभा क्षेत्र की तीन सडक़ों का किया लोकार्पण

हमीरपुर। (एजेंसी)।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने नादौन विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना के तहत लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से अपग्रेड की गई तीन सडक़ों चमारडा-रत्तियां, मानपुल-भरमोटी और पनियाली-समजल सडक़ का लोकार्पण किया।

इन सडक़ों के लोकार्पण के बाद भरमोटी में जनसभा को संबोधित करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने अमीर-गरीब की खाई को दूर करने तथा आम लोगों का उत्थान सुनिश्चित करने के लिए सात वर्षों के दौरान सडक़, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष बल दिया है। देश के लगभग 43 करोड़ लोगों के बैंक खाते खुलवाने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की धनराशि सीधे इन लोगों के खातों में डाल रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के चहुमुखी विकास के लिए भरपूर बजट उपलब्ध करवा रही है। मनरेगा और 15वें वित्त आयोग के अलावा अन्य योजनाओं के माध्यम से भी पंचायतों को सीधा पैसा दिया जा रहा है। पंचायतीराज संस्थाओं को इस बजट का सदुपयोग करना चाहिए तथा ग्राम सभाओं के माध्यम से अधिक से अधिक शैल्फ डालने चाहिए। उन्होंने कहा कि मनरेगा के बजट में रिकॉर्ड वृद्धि की गई है। पंचायत जनप्रतिनिधि मनरेगा में कार्य करने वाले लोगों का श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकरण अवश्य करवाएं, ताकि वे बोर्ड के माध्यम से चलाई जा रही है विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ उठा सकें।

युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर से इस माह चलाए जा रहे क्लीन इंडिया अभियान की चर्चा करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने पंचायत जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे गांव स्तर पर जनसहभागिता से सफाई अभियान को एक जन आंदोलन का रूप दें, ताकि स्वच्छ भारत के सपने को साकार किया जा सके।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने जोल सप्पड़ में निर्माणाधीन डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कालेज परिसर में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस दौरान मेडिकल कालेज और नए परिसर का निर्माण कर रही कंपनी के अधिकारियों ने अनुराग सिंह ठाकुर को कालेज के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिलासपुर में एम्स, ऊना में पीजीआई सेटेलाइट सेंटर और हमीरपुर, चंबा तथा नाहन में नए मेडिकल कालेज बनने के बाद प्रदेशवासियों को अपने इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर उन्होंने श्रमिकों के साथ संवाद किया तथा सराहनीय कार्य करने वाले कामगारों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष बलदेव शर्मा, एचआरटीसी उपाध्यक्ष विजय अग्निहोत्री, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वंदना योगी, भाजपा के पदाधिकारी, डीसी देबश्वेता बनिक, एसपी डॉ. आकृति शर्मा, मेडिकल कालेज की प्रधानाचार्य डॉ. सुमन यादव, मेडिकल कालेज अस्पताल के एमएस डॉ. रमेश चौहान और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)